वर्ष : 16 अंक : 198 मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 09 नवम्बर 2024

संक्षिप्त समाचार

देवरिया में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

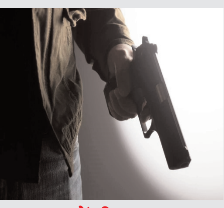

नूना न्यूज एजेंसी

देवरिया। जिले में जद्दू परसिया पेट्रोल पंप के पास मोटरसाइकिल पर जा रहे 26 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर की बृहस्पतिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बाइक पर आए तीन अज्ञात हमलावरों ने प्रॉपर्टी डीलर निहाल सिंह के सिर पर गोली मारी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि निहाल के गिरने के बाद हमलावरों ने दो और गोलियां चलाईं और फिर घटनास्थल से भाग गए। उन्होंने बताया कि राहगीरों ने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (बरहज) आदित्य कुमार ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच के लिए टीमें गठित की हैं। हत्या से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और वे घटनास्थल पर जमा होने लगे। हालांकि, स्थिति को शांत करने के लिए पुलिस अधिकारी अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, निहाल (26) मदनपुर के समोगर गांव का निवासी था और अपने परिवार का इकलौता बेटा था।

कांग्रेस जातियों को लड़ाने का कर रही काम, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

महाराष्ट्र की रैली में पीएम मोदी

>> महायुति ही राज्य के विकास की गारंटी : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि केवल महायुति ही राज्य में विकास की गारंटी दे सकती है, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी मौजूदा कल्याणकारी उपायों और योजनाओं को खत्म कर देगी. महायुति में भाजपा के साथ ही एकनाथ शिंदे और अजित पवार के नेतृत्व में शिवसेना और राकांपा गुट शामिल हैं।

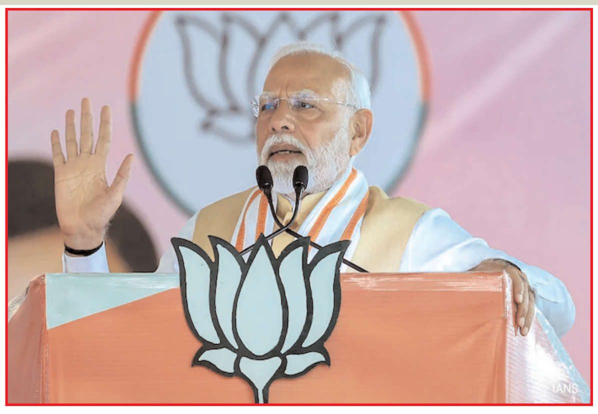

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के उत्तर-पश्चिमी इलाके धुले में भाजपा के चुनावी अभियान का शंखनाद किया. इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ खड़ा करने का आरोप लगाया और लोगों को एकजुट रहने के लिए आगाह किया. साथ ही कहा कि कांग्रेस हाशिए पर मौजूद समूहों के खिलाफ साजिश रच रही है. इस इलाके में आदिवासी समुदायों का वर्चस्व है. महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर पीएम मोदी की यह पहली रैली थी। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जातियों और समुदायों को बांटने का खतरनाक खेल खेलने का भी आरोप लगाया और कहा कि यदि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और ओबीसी एकजुट रहेंगे तो कांग्रेस की राजनीति समाप्त हो जाएगी. उन्होंने मतदाताओं से महायुति गठबंधन को फिर से चुनने का आग्रह करते हुए कहा, "एक हैं तो सेफ हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ खड़ा करना चाहती है और एससी, एसटी और ओबीसी की एकता को कमजोर करना चाहती है. नेहरू के समय से ही कांग्रेस और उनके परिवार ने आरक्षण का विरोध किया था और अब उनकी चौथी पीढ़ी के युवराज जाति विभाजन के लिए काम कर रहे हैं. आपको समझना चाहिए कि एक हैं तो सेफ हैं।

साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगह एक साथ सत्ता में थी लेकिन उसने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा नहीं दिया।

इस दौरान पीएम मोदी ने सीट शेयरिंग के लिए लंबी वाताओं को लेकर अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा से मिलकर बनी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) एक ऐसा वाहन है जिसमें न तो पहिए हैं और न ही ब्रेक हैं और चालक सीट पर बैठने के लिए वहां लड़ाई चल रही है। एमवीए में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे और शरद पवार के नेतृत्व वाली सेना और राकांपा समूह शामिल हैं. एमवीए को महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के समझौते को लेकर संघर्ष करना पड़ा था. पिछले सप्ताह नामांकन की समय सीमा समाप्त होने के बाद यह सामने आया कि उन्होंने 11 सीटों पर औपचारिक रूप से उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया, वहीं महायुति ने चार सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है।

>> कोई ताकत अनुच्छेद 370 बहाल नहीं कर सकती : पीएम

इस दौरान पीएम मोदी ने इंडिया' गठबंधन पर जम्मू-कश्मीर से भारत का संविधान हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दुनिया की कोई ताकत वहां अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर में केवल (डॉ भीमराव) अंबेडकर के संविधान का पालन किया जाएगा. आपने टीवी पर देखा होगा कि कैसे जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव रखा गया और जब भाजपा विधायकों ने विरोध किया, तो उन्हें बाहर निकाल दिया गया. देश और महाराष्ट्र को यह समझना चाहिए।

>> सीट शेयरिंग को लेकर भी साधा निशाना

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने धर्म पर राजनीति की जिसके कारण भारत का विभाजन हुआ और अब पार्टी जाति की राजनीति कर रही है. उन्होंने उत्तरी महाराष्ट्र के इस जिले में कहा कि देश के खिलाफ इससे बड़ी कोई साजिश नहीं हो सकती।

>> कांग्रेस ने कलह से किया है इनकार

कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कलह की बात को खारिज किया और कहा कि सीटों के बंटवारे पर पूर्ण समझौता हो गया है और सभी सीटों के लिए नामांकन पूरा हो गया है। हालांकि उन्होंने एमवीए सदस्यों के बीच "गलतफहमी" को स्वीकार किया लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उस अनिश्चितता के कारण सहयोगियों के बीच कोई दरार नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्गों को सत्तारूढ़ दल द्वारा "पीछे रखा" जा रहा है और जाति जनगणना की मांगों को भी रोक दिया है. प्रभावी नीतियों को डिजाइन करने में मदद के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने लगातार देश में जाति जनगणना का आह्वान किया है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

कैसी होगी दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति?

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। लगभग सारे चुनावी सर्वेक्षण और अनुमानों को गलत साबित करते हुए ट्रम्प ने अपनी प्रतिद्वंदी और अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की। दुनिया की महासत्ता होने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका की विदेश नीति का रूख भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे विश्व व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ट्रम्प की विदेश नीति क्या रह सकती है यह समझना जरूरी है। राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प को अलग अलग देशों के नेताओं की तरफ से बधाई संदेश भेजे गए। ट्रम्प ने कुछ नेताओं से फोन पर भी बात की। जिन नेताओं से ट्रम्प ने सबसे पहले बात की उनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। इस बातचीत के मायने भी विदेश नीति की दृष्टि से देखते हैं। मोदी के साथ बात करना भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों को दर्शाता है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हुए इसकी एक वजह थी मोदी और ट्रम्प की व्यक्तिगत मित्रता। दोनों नेता एक दुसरे को अपना दोस्त कहते हैं। हालांकि कूटनीति राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर की जाती है लेकिन ऐसी व्यक्तिगत मित्रता भी कई बार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में भी भारत से अमेरिका के दृढ संबंधों की अपेक्षा है। इसका मतलब है की भारत और अमेरिका के बीच सामरिक रिश्ते और आगे बढ़ सकते हैं। चीन की चुनौती का मुकाबला करने में भारत को अमेरिका का सहयोग मिल सकता है। पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर भी ट्रम्प पुनर्विचार कर सकते हैं। आतंकवाद के खिलाफ पहले भी ट्रम्प भारत का समर्थन और पाकिस्तान का विरोध कर चुके हैं। हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की खुलकर आलोचना की थी। इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में ट्रम्प भारत के पक्ष में रहेंगे। सुरक्षा के अलावा कूटनीति में भी विश्व स्तर पर भारत को संतुलन बनाए रखने की कवायद कम करनी पड़ सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत को रूस और पश्चिमी देशों से अपने रिश्ते सामान्य रखने के लिए काफी प्रयास करने पड़ रहे हैं। रूस और रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रम्प का रूख बाइडेन प्रशासन जितना सख़्त नहीं है।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY

MOBILE NO. 9911371802

EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

क्या कांग्रेस और सपा के बीच सब ठीक-ठाक है

क्या 2027 तक चलेगा दोनों दलों का गठबंधन

उत्तर प्रदेश में सपा-कांग्रेस की मजबूती

उत्तर प्रदेश में विधानसभा का चुनाव 2027 में होना है. इसकी तैयारी दलों ने अभी से शुरू कर दी है. इसके पहले नौ सीटों पर हो रहे उपचुनाव को 2027 के चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है. समाजवादी पार्टी सभी नौ सीटों पर अकेले लड़ रही है. कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिया है. सपा ने पहले सात सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की. दो सीटें उसने कांग्रेस के लिए छोड़ दी थीं. इसके बाद कहा जाने लगा कि कांग्रेस गाजियाबाद सदर और खैर सीट के साथ ही फूलपुर सीट भी चाहती है और सपा इसके लिए तैयार भी हो गई है. लेकिन बाद में खबर आई कि कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से ही इनकार कर दिया है. उसने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए उसने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है. हालांकि ऐसी भी खबरें थीं कि मनपंसद सीटें न मिलने की वजह से कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से इनकार किया है।

>> एक दूसरे के लिए कितना जरूरी है गठबंधन

इसके अलावा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को एक मजबूत गठबंधन सहयोगी की जरूरत है, जिसके सहारे वह अधिक से अधिक सीटें जीत सके. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस केवल एक सीट जीत पाई थी. हाल यह हुआ कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी चुनाव हार गए थे. लेकिन सपा का साथ मिलने के बाद 2024 में कांग्रेस ने न केवल अमेठी और रायबरेली सीटें जीती बल्कि चार और सीटें भी जीत लीं. कांग्रेस अकेले लड़कर शायद यह कारनामा न कर पाती. इसलिए कांग्रेस के लिए सपा का साथ ज्यादा जरूरी है।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में भी कांग्रेस और सपा का समझौता नहीं हो पाया. इसके बाद कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ने से भी इनकार कर दिया, जबकि सपा ने कांग्रेस के लिए दो सीटें छोड़ी थीं. महाविकास अघाड़ी से सीटें न मिलने के बाद सपा ने महाराष्ट्र में नौ सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं.एमवीए ने उन दो सीटों पर उम्मीदवार नहीं खड़े किए हैं, जिन्हें पिछले चुनाव में सपा ने जीता था.इसके बाद अब लगने लगा है कि सपा और कांग्रेस के रिश्ते वैसे नहीं रहे, जैसा कि लोकसभा चुनाव के बाद थे.सपा और कांग्रेस ने 2017 का विधानसभा चुनाव भी मिलकर ही लड़ा था. लेकिन यह गठबंधन बहुत सफल नहीं हो पाया था. इसके बाद सपा ने कांग्रेस से गठबंधन तोड़ लिया था.इसके बाद दोनों दल 2024 के लोकसभा चुनाव में ही एक साथ आए।

कांग्रेस-सपा के रिश्ते के उतार-चढ़ाव

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में जगह न मिलने से नाराज सपा ने आठ सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं. इनमें से दो सीटों पर एमवीए ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं. ये सीटें हैं मानखुर्द शिवाजीनगर और भिवंडी ईस्ट. ये दोनों सीटें सपा ने 2019 के चुनाव में जीती थीं. यहां से सपा ने अपने पुराने विधायकों को टिकट दिए हैं. मानखुर्द शिवाजीनगर से सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबु आजमी तो भिवंडी ईस्ट से रईश शेख सपा उम्मीदवार बनाए गए हैं.इनके अलावा मालेगांव सेंट्रल से शान ए हिंद निहाल अहमद, धुले सिटी से इरशाद जागीरदार, भिवंडी वेस्ट से रियाज आजमी, तुलजापुर से देवानंद साहेबराव रोचकरी, परांडा से रेवण विश्वनाथ भोसले, औरंगाबाद पूर्व से डॉक्टर अब्दुल गफ्फार कादरी सैय्यद और भायखला से सईद खान को टिकट दिया है. इन छह सीटों पर सपा और एमवीए में फ्रेंडली फाइट देखने को मिलेगी। इस घटनाक्रम के बाद यह साफ होने लगा है कि कांग्रेस और सपा के रिश्ते सामान्य नहीं रहे.इसलिए अब दोनों दल आमने-सामने हैं. ऐसा पहली बार नहीं है, जब सपा और कांग्रेस आमने-सामने आए हैं. इससे पहले जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भी सपा और कांग्रेस एक दूसरे के खिलाफ लड़े थे.सपा ने जम्मू कश्मीर की 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था.कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस, माकपा और पैंथर पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा. अब सबकी जुबान पर सवाल यही है कि क्या सपा और कांग्रेस का गठबंधन सामान्य रह गया है. सपा और कांग्रेस की इस नूरा-कुश्ती को राजनीति के जानकारी राजनीतिक सौदेबाजी बता रहे हैं.उनका कहना है कि दोनों दल अपने-अपने स्ट्रांगहोल्ड वाले इलाकों में एक दूसरे की औकात बता रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महाराष्ट्र में एमवीए से 12 सीटें मांगी थीं. उन्होंने कहा था कि वो कम पर भी समझौता करने को तैयार हैं. लेकिन एमवीए ने उनकी बात को तवज्जो नहीं दी. इसके बाद से ही सपा-कांग्रेस के रिश्ते सामान्य रहने की चर्चा शुरू हो गई. लेकिन क्या परिस्थितियां ऐसी हैं कि सपा और कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अकेले-अकेले चुनाव लड़ सकें. उत्तर प्रदेश में इस गठबंधन का मुकाबला बीजेपी से है, जो विजय रथ पर सवार है. उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद भी उसने हरियाणा में जीत हासिल की है. इसके बाद से उसके हौंसले बुलंद हैं. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा का अकेले-अकेले बीजेपी का मुकाबला कर पाना मुश्किल नजर आता है. यूपी में बीजेपी भी अकेले नहीं है, वहां उसके चार और सहयोगी भी हैं, जो मजबूत वोट बैंक वाली पार्टियां हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद से मुसलमान कांग्रेस से जुड़े हैं. उत्तर प्रदेश में सपा का मजबूत वोट बैंक मुसलमानों को माना जाता है. कांग्रेस इसमें सेंध लगा सकती है. वह आरक्षण और संविधान बचाने के नाम पर दलितों को अपने साथ गोलबंद करने की कोशिश पहले से ही कर रही है. सपा के पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) दलित और मुसलमान महत्वपूर्ण हिस्सा है. ऐसे में इन दोनों समुदायों में किसी तरह का बंटवारा रोकने के लिए गठबंधन इन दोनों दलों के लिए जरूरी है।

पीएम मोदी ने की जैन आचार्य रत्नसुंदरसुरीश्वरजी महाराज से मुलाकात

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली रैली प्रदेश के धुले में की. इस दौरान धुले में पीएम मोदी ने जैन आचार्य रत्नसुंदरसुरीश्वरजी महाराज साहेब से भी मुलाकात की. पीएम मोदी ने अपने एक्स अकाउंट से मुलाकात की इन तस्वीरों को पोस्ट किया है, जिसमें जैन आचार्य पीएम मोदी को आशीर्वाद देते और बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, "धुले में जैनाचार्य रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज साहेब से मुलाकात हुई. समाज सेवा और आध्यात्म के प्रति उनका योगदान सराहनीय है. उनके लेखन के लिए भी उनकी प्रशंसा की जाती है।

>> 400 से अधिक पुस्तकों का कर चुके हैं लेखन

जैन आचार्य रत्नसुंदरसुरीश्वरजी महाराज का जन्म 5 जनवरी 1948 को को हुआ और अब तक वे आध्यात्म और धर्म पर 400 से अधिक किताबें लिख चुके हैं. इसी साल जनवरी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी 400वीं पुस्तक का विमोचन किया था और जैन मुनि से आशीर्वाद भी लिया था।

वहीं 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी 300वीं पुस्तक का विमोचन किया था, जिसका शीर्षक था - 'मरु भारत, सरु भारत' जो गुजराती और हिंदी में लिखी गई थी. वहीं 2017 में आध्यात्मिकता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

मैं तो समोसा खाता भी नहीं... सीआईडी जांच पर सीएम सुक्खू ने दी सफाई

नूना न्यूज एजेंसी

हिमाचल प्रदेश। में 'समोसा' को लेकर सीआईडी जांच को लेकर विवाद पैदा होने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि कुछ अधिकारियों के कदाचार और दुर्व्यवहार की जांच के आदेश दिए गए थे। सुक्खू ने कहा कि सीआईडी जांच समोसे के बारे में नहीं थी, जैसा कि मीडिया ने दिखाया, बल्कि यह अधिकारियों के दुर्व्यवहार का पता लगाने के लिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर उनके खिलाफ भाजपा का हमला बचकाना था और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद से पार्टी उनके खिलाफ बदनामी का अभियान चला रही है। बता दें कि अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) मुख्यालय में 21 अक्टूबर को एक समारोह में भाग लेने गए मुख्यमंत्री को परोसने के लिए लक्कड़ बाजार स्थित एक होटल से समोसे और केक लाया गया था। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट के अनुसार खाने की चीजें समन्वय की कमी के कारण सुरक्षा कर्मचारियों को परोसी गई थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख सतपाल सत्ती ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार समोसे की जांच का आदेश देकर हंसी का पात्र बन गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस को छोटे-मोटे मामलों पर अपना समय बर्बाद करने के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर सचिवालय तक के अनेक घोटालों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तने छोटे से मामले की जांच कराना और फिर उसे सरकार विरोधी कृत्य बता देना आश्चर्यजनक है। मुझे लगता है कि कांग्रेस सरकार को लोगों की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि उनकी मुख्य चिंता यह है कि उनके समारोहों में समोसे कैसे परोसे जा रहे हैं। यह सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है और हंसी का पात्र बन गई है।

राहुल गांधी पर हिमंत बिस्वा सरमा का पलटवार, हिंदू समाज को बांटने का लगाया आरोप

असम। के सीएम और झारखंड बीजेपी के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बांटने की जो साजिश रची है, ऐसा तो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के दुश्मन राहुल गांधी समाज को बांटना चाहते हैं। सरमा ने दावा किया कि हेमंत सोरेन घुसपैठियों के लिए काम करते हैं। वह आदिवासी समाज के कल्याण के लिए काम नहीं करते। राहुल पर अपना हमला जारी रखते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वह झारखंड के कल्याण के लिए काम नहीं करते। इसीलिए तो हम लोग कहते हैं एकजुट रहो, सुरक्षित रहो। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री और कांग्रेस-जेएमएम नेता अपनी रैलियों में जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे साबित होता है कि वे घबराये हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां तक ??कि उन्होंने भी स्वीकार कर लिया है कि वे जीतने वाले नहीं हैं। हमें चुनाव प्रक्रिया या चुनाव आयोग, राज्य सरकार या केंद्र सरकार की भूमिका से कोई समस्या नहीं है। वहीं, आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के कारण मणिपुर जला। राहुल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि ये दलित और अल्पसंख्यकों के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कोई भागीदारी नहीं है। देश के दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लोग सक्षम हैं। आप में कोई कमी नहीं है। आप हर तरह का काम कर सकते हैं, लेकिन आपके रास्ते को रोका जाता है।

संडे मार्केट ग्रेनेड हमला मामले में बड़ा एक्शन

श्रीनगर। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकी सहयोगियों को श्रीनगर में ग्रेनेड हमले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया और 12 नागरिक घायल हो गए। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन वीके बर्डी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उसामा यासीन शेख, उमर फैयाज शेख और अफनान मंसूर शेख के रूप में की गई है। तीनों शहर के इखराजपोरा इलाके के हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने तीन आतंकी सहयोगियों की गिरफ्तारी के साथ मामले को सुलझा लिया है। बिरदी ने यह भी बताया कि यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं के इशारे पर किया गया था, जिनका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और शांति को भंग करना था। तीनों आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ यूएपीए [गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम] के तहत मामला दर्ज किया गया है। आतंकवादियों ने क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के प्रयास में एक साप्ताहिक कबाड़ी बाजार में एक फ्लाईओवर से हथगोले फेंके। ग्रेनेड एक अर्धसैनिक वाहन के पास गिरे और फट गए, जिससे 12 नागरिक घायल हो गए। रविवार का हमला जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों और मुठभेड़ों की एक श्रृंखला की पृष्ठभूमि में हुआ, जब 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पहली निर्वाचित सरकार ने 16 अक्टूबर को शपथ ली थी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मनाई, पूरे साल होगा आयोजन

डेम प्रीति पटेल डीबीई एमपी को मिला एकता पुरस्कार सम्मान

नई दिल्ली, नवम्बर : सरदार पटेल मैमोरियल सोसायटी यूके ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में राष्ट्रीय एकता दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई। भारतीय उच्चायोग में आयोजित कार्यक्रम में एकीकृत भारत के संस्थापक पिता के रूप में सरदार पटेल की विरासत को जानने और उसका सम्मान करने के लिए गणमान्य एकत्रित हुए। ब्रिटेन की एमपी और शेडों विदेश सचिव आरटी जॉन डेम प्रीति पटेल डीबीई ने सरदार पटेल के एकता, अखंडता और लचीलेपन के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने आज की दुनिया में सरदार पटेल के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और सभी को सद्भाव को अपनाने और एकता की भावना को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। सरदार पटेल मैमोरियल सोसायटी यूके के अध्यक्ष लॉर्ड रामी रेंजर एफआरएसए ने अतिथियों को संबोधित करते हुए एकता के महत्वपूर्ण महत्व और सरदार पटेल के जीवन और विरासत के स्थायी प्रभाव पर जोर दिया। उनके भाषण ने उपस्थित लोगों को एकजुट भारत को आकार देने में सरदार पटेल की भूमिका की याद दिलाई और सभी से एकता और सद्भाव के संदेश को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

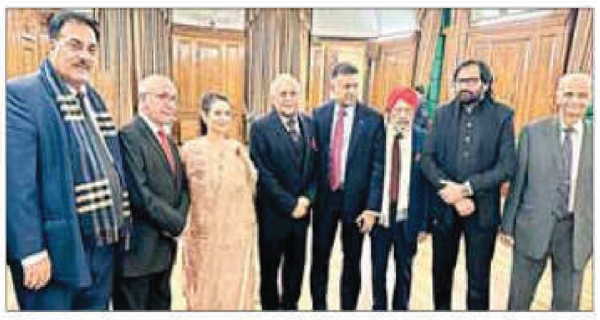

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर जानकारी देते गणमान्य।

मामला जालंधर के जी.के. द्वारा नशे के धंधे से जोड़ी गई अकूत संपत्ति का

दोआबा एरिया में फैला है जी.के. का ड्रग नैटवर्क

आखिर कब होगी जीके उर्फ गोरा पर कार्रवाई?

चंडीगढ़, नवंबर : जालंधर के नॉर्थ एरिया हल्के के माई हीरां गेट के पास रहने वाले जी.के. उर्फ गोरा ने नशे के धंधे से पैसे कमाकर फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। शराब तस्करी से शुरुआत कर जीके थोड़े समय बाद ही ड्रग के धंधे में संलिप्त हो गया था। ड्रग के धंधे में मुनाफा ज्यादा है इसलिए उसने शराब तस्करी का काम अपने ही कुछ खास लोगों को सौंप दिया और खुद ड्रग तस्करी का नैटवर्क संभालने लगा। हालांकि आज भी उसे शराब तस्करी के धंधे से उसका हिस्सा हर महीने आता रहता है। सूत्रों की मानें तो जीके का नैटवर्क पूरे दोआबा एरिया में फैला हुआ है और वह केवल ड्रग की बड़ी मात्रा की डीलिंग में हाथ डालता है। जीके खुद ही डिलीवरी का काम संभालता है और किसी अन्य पर ज्यादा भरोसा नहीं करता। जीके पिछले लंबे समय से दोआबा एरिया में नशे की बड़ी डिलीवरियां करा चुका है लेकिन आज तक पुलिस को इसकी कोई कानों-कान खबर क्यों नहीं लगी? अब देखना होगा कि पुलिस कब जीके नाम के इस नशा तस्कर पर कार्रवाई करती है।

आलीशान कोठी सिर्फ दिखावे के लिए ली

सूत्रों का कहना है कि जीके नशे के धंधे से इतने पैसे छाप चुका है कि उसने माई हीरां गेट के पास एक आलीशान कोठी सिर्फ दिखावे के लिए ली है। उक्त कोठी पर ज्यादातर समय ताला लटका रहता है। जल्द ही जीके की आलीशान कोठियों और ड्रग मनी से खरीदी गई प्रॉपर्टियों और दुकानों की फोटो प्रकाशित की जाएगी।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद (JIH) के अध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) के अल्पसंख्यक दर्जे को बरकरार रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। एस. अजीज बाशा बनाम भारत संघ के 1967 के फैसले को खारिज करते हुए, जिसमें कहा गया था कि किसी कानून द्वारा निगमित संस्थान अल्पसंख्यक संस्थान होने का दावा नहीं कर सकता, सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है जो हजारों समान संस्थानों के अल्पसंख्यक चरित्र को संरक्षित करने के लिए बाध्य है, जिन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता था और जिससे संविधान में मान्यता प्राप्त उनके शैक्षिक और सांस्कृतिक अधिकारों का गंभीर रूप से हनन हो सकता था। इससे इस देश में सभी धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण होगा। चूंकि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने मामले को एक नियमित पीठ को सौंप दिया है ताकि यह जांच की जा सके कि विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की और इसके पीछे "दिमाग" किसका था, इसलिए हमें विश्वास है कि एएमयू की अल्पसंख्यक स्थिति को न्यायालय द्वारा सुरक्षित रखा जाना चाहिए। यह स्थापित और निर्विवाद इतिहास है कि एएमयू की स्थापना सर सैयद अहमद खान ने अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक उत्थान के लिए की थी।" सैयद सदातुल्लाह ने कहा, "हमें उम्मीद है कि सरकारें और स्थानीय अधिकारी यह समझेंगे कि अल्पसंख्यक, खास तौर पर मुसलमान, भारत का एक अहम हिस्सा हैं और शिक्षा, आजीविका, सुरक्षा और संरक्षा के मामले में उनके बुनियादी अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए। भारत में मुसलमानों ने लगातार देश के लिए सकारात्मक योगदान दिया है और उनके शिक्षण संस्थान जाति या धर्म के किसी भी भेदभाव के बिना छात्रों की सेवा करते हैं। सरकार को अपना रवैया बदलना चाहिए ताकि अल्पसंख्यकों को अपने मुद्दों को हल करने के लिए हमेशा अदालतों का दरवाजा खटखटाने की जरूरत न पड़े। सरकार को अपने विकास एजेंडे में अल्पसंख्यकों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए पर्याप्त संवेदनशील होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। इसमें उनके संस्थानों की सुरक्षा और उन्हें आवश्यक रियायतें देना, सकारात्मक कार्रवाई करना और उनकी गिरती सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए लाभ प्रदान करना जैसे उपाय शामिल हो सकते हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों को ऐसे उपाय प्रदान करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की विशेषता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से संबंधित 'अजीज बाशा जजमेंट' को खारिज कर दिया

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे अल्पसंख्यक दर्जे की बहाली का रास्ता आसान हुआ है

नई दिल्ली, 8 नवंबर 2024। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने आज बहुमत से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के अल्पसंख्यक चरित्र पर 1967 के सैयद अजीज बाशा बनाम यूनियन ऑफ इंडिया जजमेंट को खारिज कर दिया है। अजीज बाशा के फैसले में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे को समाप्त करते हुए कहा गया था कोई संस्थान जिसे किसी केंद्रीय अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया हो, वह अल्पसंख्यक दर्जे का हकदार नहीं हो सकता। इसके विपरीत आज भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही पूर्व के फैसले को पलटते हुए कहा कि किसी संस्थान का अल्पसंख्यक चरित्र केवल इस आधार पर समाप्त नहीं हो सकता है कि उस संस्थान की स्थापना संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई है। इसलिए अजीज बाशा मामले में सुप्रीम कोर्ट का पिछला मत और तर्क दोनों गलत हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए आगे कहा कि अनुच्छेद 30 उन सभी संस्थानों पर समान रूप से लागू होता है जो भारतीय संविधान लागू होने से पूर्व स्थापित हुए हैं और जो संविधान लागू होने के बाद स्थापित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है अल्पसंख्यक संस्थान होने के लिए केवल यह आवश्यक नहीं है कि संस्थान पूरी तरह से अल्पसंख्यकों के हाथ में हो, बल्कि इसकी स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा होनी अनिवार्य है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे महत्वपूर्ण और दूरगामी परिणाम वाला बताया है। मौलाना मदनी ने कहा कि इस निर्णय ने मौजूदा सरकार को भी आईना दिखाया है जो अल्पसंख्यक दर्जे की बहाली में रुकावट बनी हुई थी और उसने पिछली सरकार के रुख के खिलाफ अदालत में अल्पसंख्यक चरित्र को खत्म करने का रुख अपनाया था। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद ने हमेशा मुस्लिम अल्पसंख्यकों के शैक्षिक और संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। इसका एक उदाहरण हाल ही में धार्मिक मदरसों के विरुद्ध सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा जारी नकारात्मक अभियान को रोकने का प्रयास है। इसी तरह अजीज बाशा मामले में जब 1967 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था तो जमीअत उलमा-ए-हिंद ने फिदा-ए-मिल्लत मौलाना सैयद असद मदनी के नेतृत्व में 14 वर्षों तक इसके खिलाफ संसद के अंदर और बाहर लंबी लड़ाई लड़ी थी। इसी पृष्ठभूमि में जमीअत उलमा-ए-हिंद के तत्वावधान में 29 अगस्त 1981 को एक 'अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए ऑल इंडिया कन्वेंशन' आयोजित किया गया, जिसमें देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में जमीअत उलमा-ए-हिंद ने भारत सरकार से जोरदार ढंग से मांग की कि मुस्लिम विश्वविद्यालय के संशोधन विधेयक को संसद सत्र में पारित कर अल्पसंख्यक चरित्र को बहाल किया जाए। जमीअत उलमा-ए-हिंद के इस लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप, संसद ने 1981 में अधिनियम पारित किया। हालांकि, नौकरशाही की सांप्रदायिक मानसिकता की वजह से इस अधिनियम में कुछ खामियां छोड़ दी गईं, जिससे हस्तक्षेप का रास्ता खुला रह गया और इसके नतीजे में 2006 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक बार फिर अल्पसंख्यक दर्जे को समाप्त कर दिया। 2006 में जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस फैसले के संदर्भ में डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की और हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की सलाह दी, जिस पर तत्कालीन सरकार ने कार्रवाई भी की और खुद भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष हलफनामे द्वारा पेश किया, लेकिन 2014 के बाद एनडीए सरकार ने पिछले रुख से हटते हुए अल्पसंख्यक दर्जा खत्म करने के पक्ष में कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। सरकार के इस रवैये के खिलाफ गत दस वर्षों से जमीअत उलमा-ए-हिंद ने हर संभव संघर्ष किया है। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद का लंबे समय से मानना है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जो भारत के मुसलमानों की एक अनमोल धरोहर है, सुरक्षित रहे और उन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सफलतापूर्वक अपनी मंजिलें तय करती रहे, जिसके लिए इसकी स्थापना की गई थी। विशेष रूप से इस पृष्ठभूमि में कि आज मुसलमान शैक्षिक रूप से बेहद पिछड़ा है और विभिन्न रिपोर्टों ने इसकी पुष्टि की है, मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए स्थापित संस्थानों के चरित्र को बदलना वास्तव में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ शत्रुता और उन्हें और पिछड़ेपन की ओर धकेलने का प्रयास है। मौलाना मदनी ने इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ने वाले संगठनों एएमयू और एएमयू ओल्ड बॉयज एसोसिएशन और अन्य हस्तक्षेपकताओं के कानूनी संघर्षों की सराहना की। मौलाना मदनी ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों से विशेष रूप से अपील की कि वह शिक्षा पर ध्यान दें और उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश और समाज के विकास में अपनी भूमिका निभाएं।

राजस्थानी हस्तशिल्प, हस्तकला उत्पादों की बिक्री के लिए बीकानेर हाउस में आगामी रविवार से प्रारंभ होगा संडे मार्केट

नई दिल्ली, 08 नवम्बर 2024। दिल्ली के बीकानेर हाउस में राजस्थानी हस्तशिल्प एवं हस्तकला उत्पादों सहित अन्य स्थानीय विक्रेताओं के विभिन्न प्रकार की सामग्री की बिक्री के लिए बीकानेर हाउस में हर सप्ताह संडे-मार्केट का आयोजन किया जाएगा। आगामी रविवार से प्रारंभ होने वाले इस संडे-मार्केट में राजस्थान के विभिन्न अंचलों के हस्तशिल्प कारों, हस्तकलाकारों द्वारा निर्मित विभिन्न प्रसिद्ध उत्पादों सहित स्थानीय विक्रेताओं द्वारा ज्वेलरी, आचार एवं नमकीन, साड़ियों, कपड़ों आदि उत्पादों की बिक्री की जाएगी। बीकानेर हाउस प्रांगण में नए सुशोभित कलेवर के साथ आगामी 10 नवंबर 2024 से शुरू होने वाली यह संडे-मार्किट आंगंतुकों के लिए प्रत्येक रविवार को दोपहर 12 बजे सांय 6 बजें तक खुली रहेगी। इस अनूठी पहल का उद्देश्य दिल्ली में स्थानीय हस्तनिर्मित उत्पादों को जीवन शैली के ब्रांड के रूप में विकसित करना है।

सिर में चोट के कारण हुई वीवर्ज कालोनी में 40 दिन के बच्चे की मौत

पानीपत, नवंबर : पानीपत की वीवर्ज कॉलोनी में करीब एक सप्ताह पहले हुई 40 दिन के बच्चे की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि उसकी मौत सिर में चोट लगने के कारण हुई है। यह दावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किया गया है। जबकि परिजनों का दावा था कि बच्चे की मौत का कारण बीमारी और मां का दूध न मिलना था। इधर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुराना औद्योगिक थाना पुलिस ने बच्चे के पिता विशाल के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर लिया है। साथ ही आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जबकि बच्चे की मां अंजलि का दावा है कि बच्चे को उसके पति विशाल और सास ने पटक कर मारा है। वहीं पुलिस ने बच्चे की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव का दूसरा संस्करण 8 नवंबर से शुरू होगा

नई दिल्ली, नवम्बर : वार्षिक भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव का दूसरा संस्करण 8 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू होने वाला है। दो दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य वैश्विक और भारतीय थिंक टैंक, निगमों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रमों, गैर-लाभकारी संस्थाओं, शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वानों को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति, सैन्य इतिहास और सैन्य विरासत पर ध्यान केंद्रित करते हुए शामिल करना है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान इस साल तीनों सेना प्रमुखों के साथ महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर परियोजना शौर्य गाथा का भी शुभारंभ किया जाएगा। यह परियोजना भारत के सैन्य मामलों के विभाग और यूएसआई की एक पहल है जिसका उद्देश्य शिक्षा और पर्यटन के माध्यम से भारत की सैन्य विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देना है। सैन्य विषयों पर प्रमुख प्रकाशन मुख्य आकर्षण होंगे, जिसमें पुस्तकों का विमोचन भी शामिल हैः बिकॉज ऑफ दिसः ए हिस्ट्री ऑफ द इंडो-पाक एयर वॉर दिसंबर 1971, एयर मार्शल विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त), वेलोर एंड ऑनर-भारतीय सेना और यूएसआई का संयुक्त प्रकाशन, और साइलेंट वेपन्स, डेडली सीक्रेट्सः अनवीलिंग द बायोवेपन्स आर्म्स रेस, डॉ. मृण्मयी भूषण द्वारा, जिसका संपादन रक्षा मंत्रालय के प्रधान सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल विनोद खंडारे (सेवानिवृत्त) ने किया।

स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान के लिए राज्यों और निजी क्षेत्र के बीच अधिक सहयोग आवश्यक : राजीव कुमार

नई दिल्ली, नवम्बर : दो दिवसीय फिक्की हील 2024 का समापन कल भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य से विचार-विमर्श के साथ हुआ। स्वस्थ भारत, विकसित भारत थीम पर केंद्रित इस सम्मेलन में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के नेता, नीति निमार्ता और नवोन्मेषक शामिल हुए, जो एक स्वस्थ, अधिक लचीला भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सत्र दूसरे दिन का मुख्य ध्यान प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने, महिला कैंसर देखभाल में चुनौतियों का समाधान करने और स्वास्थ्य शिक्षा में अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। फिक्की स्वस्थ भारत टास्क फोर्स के अध्यक्ष (मानद) ब्रिगेडियर डॉ अरविंद लाल, डॉ लाल पैथलैब्स के कार्यकारी अध्यक्ष और एएलवीएल के प्रबंध ट्रस्टी ने एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। ह्लप्राथमिक स्वास्थ्य सेवा आबादी को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से आवश्यक निदान को बढ़ाकर और लैब सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से डिजिटल संचालन का लाभ उठाकर, हमने उल्लेखनीय प्रगति देखी है - जैसे डॉ. लाल ने कहा, परीक्षण की संख्या में 300 फिसदी की वृद्धि हुई है और सीएचसी सरोजिनी नगर हब लैब में मरीजों की पहुंच में 220 फिसदी की वृद्धि हुई है।

न्यायालय ने एएमयू अल्पसंख्यक दर्जा मामले में चार अलग-अलग फैसले सुनाए

दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे के मामले में शुक्रवार को चार अलग-अलग फैसले सुनाए। संविधान पीठ की अगुवाई कर रहे भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस संबंध में चार अलग-अलग मत थे जिनमें तीन असहमति वाले फैसले भी शामिल हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने अपने और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के लिए बहुमत का फैसला लिखा है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने अलग-अलग असहमति वाले फैसले लिखे हैं। फैसला सुनाने की प्रक्रिया जारी है।

स्थानीय सरसों किसानों ने उच्च उपज के लिए सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाया

नई दिल्ली, नवम्बर : जब अधिकांश स्थानीय सरसों किसानों ने अपनी उपज की गुणवत्ता और वजन में कमी के चलते खुद को मजबूर पाया, तो वहीं फतेहाबाद के जाने-माने किसान अजय गुज्जर ने उन कृषि विशेषज्ञों पर ध्यान दिया, जिन्होंने पौधों की वृद्धि और विकास में सल्फर की भूमिका पर जोर दिया है। उनके अनुसार सल्फर, फसलों हेतु नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश के बाद चौथा प्रमुख पोषक तत्व है, जो पत्तियों में क्लोरोफिल के निर्माण में मदद करता है और पौधों में एंजाइम की उत्पादकता बढ़ाता है। यह अमीनो अम्ल ,प्रोटीन ,वसा ,तेल एवं विटामिन्स और एन्जाइम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सल्फर की कमी से पौधों में प्रकाश संश्लेषण और एंजाइमों की गतिविधि धीमी हो जाती है, जिसके कारण पौधों की वृद्धि और विकास में बाधा पहुंचती है। सल्फर सरसों में तेल की मात्रा का प्रतिशत बढ़ाता है । सरसों की फसल में सल्फर के प्रयोग से बीज निमार्ण में तेजी आती है।

पश्चिमी दिल्ली में सड़क पर घायल अवस्था में पड़ी मिली महिला

पश्चिमी दिल्ली। के कीर्ति नगर इलाके में शुक्रवार तड़के एक अज्ञात महिला सड़क पर घायल अवस्था में पड़ी मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उन्हें रात एक बजकर 15 मिनट पर सूचना मिली कि एक महिला खून से लथपथ घायल अवस्था में गली में पड़ी हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, उक्त जगह पर उन्हें एक महिला खून से लथपथ मिली। घायल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। आस-पास के घरों में भी पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने उसे पहचाना नहीं और न ही किसी ने उसे पहले आस-पास देखा था। पुलिस ने बताया कि आस-पास के इलाकों की भी जांच की गई और टीम को खून के धब्बे तथा टूटी हुई चूड़ियां मिलीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो पता चला कि महिला इलाके में एक टेंट हाउस की खुली सीढ़ी से अंदर आई थी। बाद में पता चला कि महिला पहली मंजिल पर खुली बालकनी से गिर गई थी। अधिकारी ने बताया, ह्यह्यचोट लगने के बावजूद वह उठी और चलने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी दूर चलने के बाद वह बेहोश हो गई। महिला अभी चिकित्सीयनिगरानी में है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। मामले की आगे की जांच जारी है।

पार्टी कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं: केजरीवाल

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व शुक्रवार को कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। केजरीवाल ने पार्टी कार्यकताओं को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो संदेश में उनसे (कार्यकताओं) अगले दो-तीन महीने चुनावों के लिए देने का आग्रह किया और कहा कि आप देश के लिए एकमात्र उम्मीद है। उन्होंने कहा, आप हमारे देश के लिए एकमात्र उम्मीद है। मैं अपने सभी कार्यकताओं से आग्रह करता हूं कि वे अगले दो-तीन महीने तक सब काम छोड़कर चुनाव के काम में लग जाएं। आप प्रमुख ने कहा कि पार्टी के खिलाफ जो ताकतें हैं वे विधानसभा चुनावों में हमें हराने के लिए कुछ भी करेंगी, लेकिन हम ऐसी ताकतों को जीतने नहीं देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आप भारतीय राजनीति में एक ताजी हवा का झोंका है जो स्वास्थ्य और शिक्षा, सड़क आदि के बारे में बात करती है।

हजारों समर्थकों के साथ दिल्ली न्याय यात्रा कल राजघाट से शुरू होगी : देवेन्द्र यादव

महीने भर यात्रा में आम आदमी पार्टी और भाजपा की असफलता, अन्याय, भ्रष्टाचार और कुशासन को उजागर करेंगे

नई दिल्ली, नवम्बर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कल 8 नवम्बर को हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता सहित कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाली दिल्ली की जनता राजघाट पहुँचकर दिल्ली न्याय यात्रा का हिस्सा बनकर इतिहास रचेगी। अन्याय के खिलाफ न्याय की जंग की शुरूआत करते हुए कल से एक महीने तक कांग्रेस के न्याय यौद्धा और कार्यकर्ता सड़कों पर जनता के बीच रहेंगे, यात्रा 4 दिसम्बर को खत्म होगी। दिल्ली न्याय यात्रा कल राजघाट से शुरू होकर दिल्ली गेट, आसफ अली रोड़, तुर्कमान गेट, सीताराम बाजार, हौज काजी चौक, कटरा बारियान से होते फतेहपुरी पहुचकर पहले दिन की यात्रा समापन होगा। एक महीने तक चलने वाली दिल्ली न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, दिल्ली की जनता लगातार कई सप्ताह से प्रदेश कार्यालय से सम्पर्क कर रही थी और दिन प्रतिदिन न्याय यात्रा में शामिल होने वाले यात्रियों की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आज अम्बेडकर भवन में न्याय यात्रा में शामिल होने वाले न्याय योद्धाओं के साथ एक बैठक कर यात्रा की गतिविधियों और रुपरेखा के संबध में दिशा निर्देश दिए। कांग्रेस पार्टी दिल्ली न्याय यात्रा के माध्यम से दिल्ली में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस जन नायक राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली वालों के अधिकारां की लड़ाई, उनकी समस्याओं, परेशानियों और उनके विकास तथा आम आदमी पार्टी व भाजपा की दोहरी नीति के कारण हो रहे अन्याय के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी दिल्ली न्याय यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। दिल्ली न्याय यात्रा को मिल रहे समर्थन के बाद भाजपा और आम आदमी पार्टी में घबराहट पैदा हो गई है लगातार अपने राजनीति कार्यक्रमों में बदलाव कर रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा दिल्ली की 70 विधानसभाओं के प्रत्येक बूथ तक पहुचाने के कार्यक्रम से कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली के हर घर के दरवाजे तक पहुचने का लक्ष्य रखा है।

महाविद्यालय में साइबर क्राइम और सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को झम्मन लाल महाविद्यालय में मिशन शक्ति कार्यक्रम केअंतर्गत साइबर क्राइम और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता प्रोग्राम का आयोजन बबीता त्यागी, कुमुद त्यागी और डॉ गीतांजलि शर्मा द्वारा किया गया' इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों एवं छात्राओं को कंप्यूटर एवं इंटरनेट के द्वारा ठगी से बचाव किस प्रकार करना चाहिए बताया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केनरा बैंक के मुख्य प्रबंधक कन्हैयालाल वर्मा और केनरा बैंक के क्षेत्र अधिकारी धर्मेंद्र कुमार के माध्यम से छात्र एवं छात्राओं को बैंकिंग और ऑनलाइन शॉपिंग द्वारा ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, इस अवसर पर राजनीतिक विज्ञान के प्रवक्ता विवेक कुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं को हमारे देश में होने वाले साइबर क्राइम के बारे में और किन-किन क्षेत्रों में साइबर क्राइम होता है इसके बारे में बताया साथ ही साथ उससे बचने के लिए किस प्रकार सावधानी बरतें विस्तार पूर्वक समझाया, वही झम्मन लाल पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ शमा परवीन ने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया और मोबाइल को सीमित दायरे में प्रयोग करने की सलाह दी, इस कार्यक्रम में डॉ नीति शर्मा, डॉ हिरदेश गुप्ता, शिवा शर्मा ,मिस शिवानी ,मिस निगत परवीन, मिस अंशु, राजेंद्र कुमार, पंकज एवं समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। साथ ही साथ सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला विभाग की तरफ से एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन मुर्शद अली और मनोज कुमार द्वारा किया गया, जिसमें बीएससी थर्ड सेमेस्टर की छात्रा तनु प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर एम. ए. प्रथम वर्ष की छात्रा शिल्पा सैनी और तृतीय स्थान पर बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा पूजा सैनी रही। निर्णायक मंडल में डॉ शमा परवीन ,डॉ नीति शर्मा ,डॉ हिरदेश गुप्ता रहे।

हसनपुर, संभल, रहरा मार्ग पर अवैध टेंपो संचालक लगा रहे सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का चूना

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। जहां एक और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अवैध टेंपो, टैक्सी तथा अन्य सवारी ढोने वाले वाहनों के संचालन आदि पर पूर्णतया रोक लगा रखी है वही हसनपुर से संभल, सैद नंगली, उझारी एवं ढवारसी, रहरा, बुरावली, छपना आदि को दर्जनों अवैध डग्गामार टेंपो संचालक सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का चूना हर महा लगा रहे हैं, नाम ना छापने की शर्त पर एक टेंपो चालक ने बताया कि सभी टेंपो संचालक परिवहन विभाग एवं स्थानीय पुलिस को हर मा मोटी रकम देकर अपने टेंपो का बे खौफ होकर संचालन कर ते हैं, जहां अधिकारियों की मिली भगत से सरकार को एक और लाखों रुपए महीने के राजस्व का नुकसान हो रहा है तो वही सरकार के आदेशों की भी अवहेलना हो रही है लेकिन जिम्मेदार लोग मौन धारण किए हुए बैठे हैं सूत्रों की माने तो हर महा प्रत्येक टेंपो चालक एक ठेकेदार मुंशी को हजारों रुपए महीना पुलिस एवं परिवहन विभाग से बचाने के लिए देते हैं जिसकी वजह से वह बे खौफ होकर अवैध टेंपो का संचालन कर रहे हैं बताते चलें कि इन अवैध रूप से चलने वाले डग्गामार टेंपो से कई बार अप्रिय घटना भी घट चुकी है हाल ही में कुछ दिनों पूर्व एक टेंपो तथा बाइक की भिड़ंत हो गई थी वहीं उससे पूर्व एक टेंपो पलट गया था जिसमें कई लोग घायल हो गए थे, लेकिन सवारीयो की जान से खिलवाड़ करने के साथ-साथ लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान सरकार को हो रहा है, अब देखना यह है कि क्या जिम्मेदार लोग नींद से जाकर इन अवैध टेंपो संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं या फिर ऐसे ही इति श्री कर ली जाएगी।

गंगा मेला तिगरी पहुंचने पर गंदगी न करने का संकल्प दिलाया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को तहसील क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में पूर्व प्रधान होशियार सिंह के आवास पर राष्ट्र सेवी संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन का सदस्यता अभियान चलाया। बैठक में उपस्थित संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने मेला जाने की तैयारी कर रहे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य है कि मेला परिसर, गंगा घाटो पर किसी तरह की गंदगी न होने दें। पूरी तरह अनुशासन का पालन करें। नहाते समय गहरे पानी में न जाएं। इसके लिए उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया, तथा उन्होंने प्रशाशन से भी मांग की कि पूरे जिले में कई जगह घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं आवागमन में और स्नान करने के समय उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंध किए जाएं जिससे अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। वाहन दुर्घटना में या डूबने से किसी श्रद्धालु के अप्रिय घटना घटती है तो इसे प्रशासनिक विफलता मानते हुए इसके विरुद्ध आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर होशियार सिंह, करन सिंह, खड्ग सिंह, सतीश कुमार, राजेंद्र सिंह, अमित सिंह, मदन सिंह, रघुवीर सिंह, डालचंद आदि उपस्थित रहे।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अल्पसंख्यक दर्जे पर सुप्रीम कोर्ट की मोहर, पूर्व छात्रों ने किया स्वागत

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/ हसनपुर। शुक्रवार को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पर सुप्रीम कोर्ट के अल्पसंख्यक दर्जा को बरकरार रखने पर आए फैसले को लेकर पूर्व छात्रों ने खुशी व्यक्त करते हुए अपने प्रतिक्रिया दी, एएमयू के पूर्व छात्र नेता तथा सर सैयद एजुकेशनल मिशन के अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी एडवोकेट ने उच्चतम न्यायालय द्वारा ए एम यू अलीगढ़ के अल्पसंख्यक स्वरूप पर दिए गए निर्णय का स्वागत किया है बताते चलें कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सन 1967 के उस फैसले को पलट दिया है जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक का दर्जा नहीं दिए जाने का फैसला दिया गया था, जिसका वर्तमान एवं पूर्व छात्रों ने स्वागत किया है, एएमयू के अल्पसंख्यक स्वरूप के पक्षधर रहे ?राष्ट्रीय लोकदल रूहेलखंड के क्षेत्रीय महासचिव मुजाहिद चौधरी ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णय को निरस्त किया जाना विधि एवं संविधान सम्मत बताया, उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की समस्त पीठ बधाई और धन्यवाद की पात्र है । उन्होंने देश-विदेश में रहने वाले ए.एम.यू. के पूर्व तथा वर्तमान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि अटव एक अल्पसंख्यक संस्थान है और रहेगा उन्होंने कहा कि इस निर्णय से एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान सहित ए एम यू को भूमि, पैसा, जेवर और अपनी सेवाएं दान देने वाले सभी महानुभावों की आत्मा प्रसन्न एवं संतुष्ट होगी । श्री चौधरी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है। सर्वोच्च न्यायालय के इस ऐतिहासिक फैसले को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आज दुनिया भर के अलीगेरियन बिरादरी के परिवारों में जश्न का माहौल है।

छठ पूजा पर संस्कृति को स्वच्छता के साथ संस्कार बनाने का सफल प्रयास

लखनऊ, 8 नवम्बर। सूयोर्पासना और लोक-आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर योगी सरकार द्वारा प्रदेश के घाटों को स्वच्छ, सुन्दर और सुविधायुक्त बनाकर श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजन करने का अनुभव कराया गया। स्वच्छता-सुंदरता के साथ घाटों को नो प्लास्टिक जोन के रूप में परिवर्तित करते हुए स्वच्छ छठ पूजा को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाया गया। सुविधाओं के साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया, यह यूं कहें कि संस्कृति को स्वच्छता के साथ संस्कार बनाने का प्रयास किया गया। छठ पूजा पर्व पर नगर विकास विभाग और स्वच्छ भारत मिशन नगरीय ने स्वच्छता-सौंदर्यीकरण अभियान और स्वच्छ घाट प्रतियोगिता 2.0 के माध्यम से घाटों पर स्वच्छता और सुंदरता की अमिट छटा बिखेर दी। श्रद्धालुओं में अपार श्रद्धा और उत्साह इस बात का प्रतीक है कि स्वच्छ वातावरण में उन्हें लोक आस्था के प्रतीक छठ पूजा पर अविस्मरणीय अनुभव हुआ है। विभाग द्वारा घाटों के साथ ही उनके संपर्क मार्गो को निरंतर साफ रखते हुए उनका सौंदर्यीकरण कराया है। घाटों के मरम्मत करते हुए उन्हें फूलों, रंगोली, अर्पण कलश, वॉल पेंटिंग के साथ ही झालरों से सजाया गया। इतना ही नहीं संपर्क मार्गो पर भी प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया गया, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी नहीं हुई। घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम, स्नान घर, स्वच्छ पेयजल आदि कि व्यवस्था कराते हुए नियमित सफाई के लिए बीट बनाकर सफाई मित्रों की तैनाती भी की गयी।

सीतापुर रोड साइड में लगे फैजुल्लागंज बन रहा है

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। के सीतापुर रोड साइड में लगे फैजुल्लागंज बन रहा है कूड़े का अंबार इसको देखकर कोई यह नहीं कहा सकता है कि यहां पर यहां पर कोई साफ सफाई का ध्यान रखा जाता है है यहां की गलियां नालियां देखकर के यही लगता है कि नगर निगम और पार्षदों को कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता है सब नजर अंदाज करते जा रहे हैं दिन प्रतिदिन खबरें छपती है इस पर सब कुछ होता है लेकिन इस पर कोई भी एक्शन नहीं लिया जाता है जी स कारण फैजुल्लागंज में बीमारी पनपना का नंबर वन होता जा रहा है इन सबको देखते हुए फैजुल्लागंज डेंगू अन्यथा और बीमारियां पानी भरने में जल भरने में प्लाटों में कुड़ा बीमारी पैदा होने में मदद कर रहा है यहां के सफाई कर्मचारी को बोलो तो कहता है कल करवा देंगे पार्षद को बोलो तो वह अपनी आइटम में रहते हैं यहां कोई भी किसी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती है बस चुनाव के टाइम पर वोट लेने के लिए सब लोग आगे आते हैं यहां की ना कोई साफ सफाई पर ध्यान दिया जाता है जिसमें नगर निगम की टीम की साफ-साफ लापरवाही नजर आती है और इस पर कोई भी अधिकारी भी सफाई कर्मचारी यों के जो मैनेजर होते हैं उनको भी कोई फर्क नहीं पड़ता है जी स एरिया की यह फोटो है।

हरदोई की घटना को लेकर ऐसीपी ने टैम्पो चालकों से की वार्ता

लखनऊ.... लखनऊ के मोहनलालगंज मे एसीपी रजनीश वर्मा ने की वातालर्प टेंपो ई रिक्शा चालकों को बताया गया निर्धारित मानक एसीपी अधिक सवारी ना बैठाये तथा चालक अपनी दाहिनी ओर सवारिया ना बैठाएं एसीपी यात्रियों को बैठने के लिए सड़क पर कहीं भी वहान ना रोक एसीपी क्षमता से अधिक ना बैठाये यात्री नहीं हो सकती बड़ी दुर्घटना एसीपी ऑटो व टेंपो चालकों के साथ एसीपी रजनीश वर्मा की बैठक।

जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई: सीएम योगी

उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में उतरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुजफ्फरनगर/मुरादाबाद/गाजियाबाद, 8 नवंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार से प्रचार करने उतरे। पहले दिन उन्होंने मीरापुर में एनडीए (रालोद) तथा कुंदरकी - गाजियाबाद में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली की। रैलियों में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस सीएम योगी के निशाने पर रही। सीएम ने तंज कसा- जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। सीएम ने इशारों में कहा कि लोकसभा चुनाव में खटाखट-खटाखट (कांग्रेस) की सहयोगी रही समाजवादी पार्टी को फटाफट-फटाफट सफाचट करना है। सीएम ने आमजन से अपील की कि हमारे प्रत्याशी को वोट दें, विकास व सुरक्षा का दायित्व हमारे ऊपर छोड़ दें।

सोशल मीडिया हैंडल पर दिखते हैं सपा के वास्तविक संस्कार

सीएम योगी ने कहा कि 2012-17 के बीच नारा चलता था, जिस गाड़ी पर सपा का झंडा-समझो बैठा है कोई गुंडा। सीएम ने तंज कसा कि आज जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। अयोध्या, कन्नौज में सबने इनके कारनामे को देखा है। यह सपा का नए ब्रांड है। इन्हें लोकलाज की चिंता नहीं है। अगर इन्हें लातों से ठीक नहीं करेंगे तो यह ठीक कैसे होंगे। मान्यता रही है कि गांव की बहन-बेटी सबकी बहन-बेटी। हम सब इसे मानने वाले लोग हैं, लेकिन सपा ने इस तानेबाने को छिन्न-भिन्न किया है। सपा मीडिया सेल के सोशल मीडिया हैंडल पर इनके वास्तविक संस्कार दिखते हैं, जहां यह घटिया स्तर की बातें करते हैं।

सुख-शांति से मनते हैं पर्व-त्योहार तो सपा को होती है पीड़ा

सीएम योगी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जनआस्था के कारण चुनाव की तिथि 13 से बढ़ाकर 20 नवंबर कर दी है। सपा को हर अच्छे कार्य से परेशानी होती है, क्योंकि समाज में अच्छे लोग और कार्य होगा तो कूड़ा-कचरा छंट जाएगा। उन्हें पीड़ा होती है कि कैसे लोग पर्व-त्योहार सुख-शांति से मना लेते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रायः चांद दिखाई नहीं देता तो ईद की तिथि बदल दी जाती और सरकार उसी अनुसार छुट्टी घोषित करती है, तब विरोध नहीं होता है। जब हिंदू आस्था के प्रतीक पर्व के महत्व को देखते हुए संवैधानिक संस्था ने तिथि में परिवर्तन किया तो सपा को तकलीफ हुई।

सपा-कांग्रेस में हो रहा तलाक

सीएम योगी ने कहा कि सपा-कांग्रेस में तलाक हो रहा है। लोकसभा चुनाव में इन लोगों ने कहा था खटाखट-खटाखट, लेकिन इसका लाभ नहीं मिला। अब दोनों में खटपट शुरू हो गई है। कांग्रेस व सपा ने लोकसभा चुनाव में संविधान, आरक्षण के नाम पर झूठ बोलकर गुमराह किया था। अब समाजवादी पार्टी को सफाचट करने का अवसर है। हरियाणा में कांग्रेस ने सपा से कहा कि औकात में रहो। यूपी से बाहर निकले तो ठीक कर देंगे। महाराष्ट्र में भी यही कहा कि अपनी सीमा में रहो, जो बचा-खुचा है यह सब भी गायब हो जाएगा। यूपी में सपा ने कांग्रेस को ठनठन गोपाल कर दिया है। दोनों में ठन गई है, क्योंकि धोखा देना सपा की प्रवृत्ति है।

मुजफ्फरनगर भी जल्द ही पाएगा रैपिड रेल का लाभ

सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार के कारण पश्चिमी यूपी को पलायन का दंश झेलना पड़ता था। सत्ता के लिए सपा समाज को बांट रही थी। उन्होंने कहा कि यूपी में साढ़े सात साल में एनडीए सरकार है। बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़, अन्नदाता किसान के बैल-भैंस व मोटर को चुराने और दंगे की कीमत कैसे चुकानी पड़ेगी। यह सभी को पता है। अब पश्चिम यूपी में दंगा व कैराना में पलायन नहीं हो रहा। अब मेरठ से दिल्ली तक रैपिड रेल चल रही है। मुजफ्फरनगर भी जल्द ही इस सुविधा का लाभ प्राप्त करता दिखेगा।

जितना 22 वर्ष में नहीं हुआ, हमने उससे कई गुना अधिक सात वर्ष में ही किया गन्ना मूल्य का भुगतान

सीएम योगी ने कहा कि 1995 से 2017 (22 वर्ष) में किसानों को जितना गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ। सात वर्ष में उससे कई गुना (दो लाख 53 हजार करोड़ रुपये) गन्ना मूल्य भुगतान कराया गया। मार्च 2023 के बाद से निजी ट्यूबवेल वाले किसान को पैसे का भुगतान नहीं करना है। यह भुगतान सरकार कर रही है। सरकार ने चीनी मिल के पुनरोद्धार का भी काम कराया।

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

गोमती नगर। पदोन्नति प्राप्त पुलिस अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी श्री प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा आज दिनांक 08.11.2024 को पुलिस मुख्यालय, गोमती नगर विस्तार में सेलेक्ट लिस्ट-2023 के पदोन्नति कोटे में कुल रिक्ति पद के सापेक्ष प्रान्तीय पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी की गयी। पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा पिपिंग सेरेमनी में उपस्थित पुलिस मुख्यालय में नियुक्त श्री लक्ष्मी निवास मिश्र, श्री लाल भरत कुमार पाल, श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती अमृता मिश्रा व श्री अजय प्रताप को रैंक लगाया गया एवं पदोन्नति पाये समस्त 22 पुलिस अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक व अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिदेशक के जीएसओ उपस्थित रहे।

रेकी कर चोरी करने वाले 03 शातिर चोरों/अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान संवाददाता

लखनऊ। क्राइम टीम पूर्वी जोन व थाना चिनहट पुलिस की संयुक्त पुलिस टीम की कार्यवाही में वादी ओमप्रकाश श्रीवास्तव निवासी- प्रेमबाग कालोनी गणेशपुर रहमान पुर थाना चिनहट लखनऊ द्वारा दी गयी तहरीर सूचना अज्ञात चोरों द्वारा वादी के घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे कीमती जेवरात व नगदी चोरी कर लेने के संबन्ध में 05.11.2024 को थाना चिनहट पर मु०अ०सं०- 525/2024 धारा-331(4)/305ए बी०एन०एस० बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था इसी क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु उच्चाधिकारी गण द्वारा घटना स्थल निरीक्षण किया गया तथा उच्चाधिकारीगण द्वारा दिये गये आदेश/निर्देश के क्रम टीम गठित की गयी। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज वीडियों भी चेक किया गया। प्राप्त साक्ष्य व मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस द्वारा आज दिनांक 08.11.2024 को अभियुक्तगणों 01-रहमान पुत्र मो० सईद निवासी मौहल्ला सफी नगर कस्बा रुदौली थाना रूदौली जनपद अयोध्या हाल पता कच्ची मिट्टी निकट छोहरिया माता मंदिर चिनहट थाना चिनहट लखनऊ उम्र 29 वर्ष 04-अल्ताफ उर्फ कल्लू निवासी मोहल्ला सफी नगर कस्बा रूदौली थाना रुदौली जनपद अयोध्या हाल पता देशी ठेका के पीछे सतरिख रोड चिनहट थाना चिनहट लखनऊ उम्र 23 वर्ष 03-नौशाद उर्फ गोल्डन पुत्र वहीद निवासी ग्राम किन्तुर थाना बदोसराय जनपद बाराबंकी हाल पता देशी शराब ठेका के पास बैजनाथ के मकान में किराये पर सतरिख रोड चिनहट थाना चिनहट लखनऊ उम्र 19 वर्ष को नंदपुर मार्ग के पास सुनसान जगह पर खाली पड़ी जमीन के पास से दिनांक-08.11.24 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के पास से चोरी का माल 04 अदद कंगन पीली धातु, 02 अदद गले के हार पीलीधातु. 02 अदद चैन पीलीधातु 04 अदद अंगूठी पीलीधातु, 06 अदद कान के टप्स पीलीधातु, 04 अदद कान की बाली पीलीधातु, 01 अदद नथुनी बड़ी पीलीधातु, 01 अदद नथ पीलीधातु. 01 अदद मांग का टीका पीलीधातु बरामद किया गया। माल बरामदगी व साक्ष्य संकलन के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

छात्रवृत्ति से संवरेगा ओबीसी छात्रों का भविष्य

लोकतंत्र की शान (कौशल रस्तोगी)

योगी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए पूर्वदशम् और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं की समय सारिणी का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना और उनके आर्थिक बोझ को कम करना है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि राज्य में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों और अन्य उच्च कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का द्वितीय चरण जारी कर दिया गया है। इसके तहत छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने और जल्द से जल्द आर्थिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के ओबीसी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे बिना आर्थिक बाधाओं के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण, डॉ. वंदना वर्मा ने जानकारी दी कि छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटाइज्ड कर दिया गया है, जिससे पारदर्शिता और त्वरित वितरण सुनिश्चित हो सके। ओबीसी छात्रों को ँ३३स्र२://ेूँङ्म१२ँस्र.४स्र.ॅङ्म५.ल्ल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। द्वितीय चरण की समय सारिणी के अनुसार 31 दिसंबर 2024 तक सभी शिक्षण संस्थानों को मास्टर डाटा में सम्मिलित किया जाएगा। इसके बाद 5 जनवरी 2025 तक विश्वविद्यालय, एफिलिएटिंग एजेंसियों और जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा फीस आदि का सत्यापन पूरा किया जाएगा। इस योजना के तहत कक्षा 9-10 के छात्रों के लिए पूर्वदशम् छात्रवृत्ति और कक्षा 11-12 के छात्रों के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति के आवेदन 15 जनवरी 2025 तक किए जा सकते हैं। इसके बाद 18 जनवरी 2025 तक शिक्षण संस्थानों को छात्रों के आवेदन सत्यापित करने और आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों को समय पर वित्तीय सहायता मिल सके और उनकी पढ़ाई में कोई रुकावट न आए। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि छात्रवृत्ति की राशि छात्रों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जाए। 25 फरवरी 2025 तक सभी पात्र छात्रों को पीएफएमएस (पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से छात्रवृत्ति की राशि वितरित कर दी जाएगी। इस त्वरित प्रक्रिया से राज्य में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए इस छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य न केवल उनकी आर्थिक मदद करना है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना और उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना भी है। यह योजना राज्य के पिछड़े वर्ग के छात्रों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल राज्य के युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक सिद्ध होगी। इस योजना से लाखों छात्रों को लाभ होगा और उनके लिए शिक्षा की राह को और भी सुगम बनाया जाएगा।

पिछले 10 वर्षों के दौरान जिला कारागारों में हुए काफी सुधार, बंदियों को करवाई आधुनिक सुविधाएं मुहैया, भविष्य में भी किए जाएंगे सुधार: डॉ. अरविंद शर्मा

गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज ने करनाल जेल में गीता पाठ के दौरान की प्रवचनों की अमृत वर्षा, जीवन में गीता को आत्मसात करने का दिया संदेश।

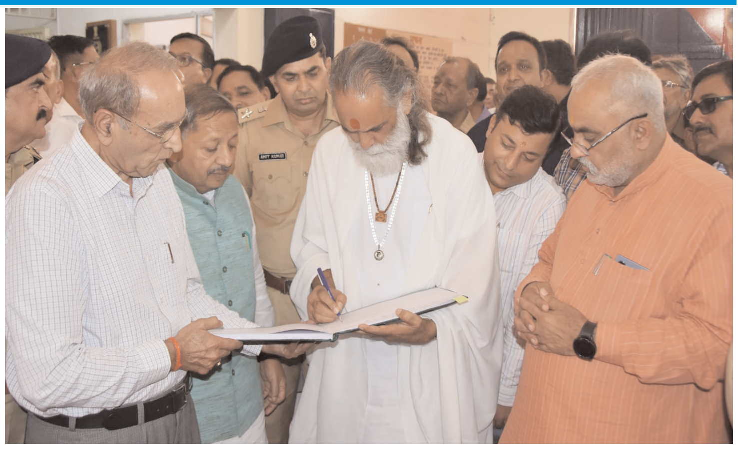

करनाल, सुखविंदर सोही

हरियाणा। के सहकारिता, पर्यटन एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार के पिछले 10 वर्षों के दौरान जिला कारागारों में काफी सुधार हुए हैं और बंदियों के लिए सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं तथा उन्हें परिवार जैसा माहौल दिया जा रहा है, ताकि फिर से वे समाज में सामान्य नागरिक की तरह अपना जीवन व्यतीत कर सकें। जेल मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा शुक्रवार को गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के सौजन्य से जिला कारागार में आयोजित गीता पाठ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला जेलों में भी गीता पाठ की शुरूआत करवाना एक सराहनीय कदम है। श्रीमद् भगवत गीता में हर समस्या का समाधान है। गीता ज्ञान से व्यक्ति अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मस्थली है, उसी प्रकार से भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र है। इस क्षेत्र का भी पर्यटन विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए महाभारत सर्किट बनाने का कार्य शुरू किया गया है, ताकि देश-विदेश के श्रद्धालुओं को यहां के इतिहास की पूरी जानकारी मिल सके। मंत्री ने कहा कि क्षणभर के क्रोध के कारण इंसान नियंत्रण खो बैठता है, जिसके कारण वह न चाहते हुए भी अपराध कर बैठता है। इस परिस्थिति से निपटने के लिए गीता ज्ञान जरूरी है। उन्होंने बंदियों का आह्वान किया कि जाने अनजाने में हुई गल।

रक्तदाताओं को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर किया जाएगा सम्मानित - डा अशोक

करनाल बिट्टू संधू

करनाल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला करनाल द्वारा 10 नवंबर दिन रविवार को कल्पना चावला हस्पताल के सामने सेव लाइफ ब्लड बैंक में निशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ अशोक कुमार एवं जिला संयोजक डॉ अमित एवं सह संयोजक डॉ महेंद्र प्रताप ने संयुक्त रूप से बताया कि इस निशुल्क रक्तदान शिविर में सभी रक्तदाताओं को रिफरेशमेंट के अतिरिक्त मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि इस रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर करनाल के नवनिर्वाचित विधायक जगमोहन आनंद अपने हाथों से रक्तदाताओं को सम्मानित करेंगे। सभी लोगों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आजकल डेंगू की बीमारी का प्रकोप चल रहा है इसलिए सभी को चाहिए कि इस रक्तदान शिविर में जो भी रक्तदान करने में सक्षम है अवश्य रक्त दान करके पुण्य का भागीदार बने।

समान विकास की भावना से होंगे असंध में विकास कार्य -योगेन्द्र राणा

करनाल/असंध सुखविंदर सोही

करनाल। असंध विधायक योगेन्द्र राणा ने आज मतदान रूपी आशीर्वाद के लिए असंध हल्के के गांव गांव पक्का खेड़ा, मंचूरी, शेखपुरा, ठरवा माजरा, ठरी व गांव जबाला पंहुच कर लोगों का आभार जताया। उन्होंने इस मौके पर लोगों को विश्वास दिलवाते हुए कहा कि चुनाव से पूर्व किये गये सभी वायदों को पूरा करने के लिए में कोई कोर-कसर नहीं छोडूंगा और हल्के के विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का प्रयास करूंगा। विधायक योगेन्द्र राणा ने इस जीत के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले भाजपा के सभी कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी उर्जा वान कार्यकताओं की बदौलत ही हमारी प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनी है और भाजपा की सरकार 2047 तक कही जाने वाली नहीं है और हल्के के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का पिछले दस वर्षों की तरह प्राथमिकता से निस्तारण किया जायेगा। इसके लिए भाजपा की सरकार शुरूआत से ही संकल्पबद्ध है। समस्त जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले मिलेंगे। असंध के विधायक के नाते वे किसी भी गांव में विकास कार्यों में कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे ओर असंध हलका के सभी गांवों में समान भावना से तेजी से विकास कार्य करवाएं जायेंगे। उन्होंने कहा कि असंध हलके की जनता ने ईमानदार और पारदर्शी सरकार को चुना है,केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश में नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार समान भावना से विकास कार्य कर रही है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संजय राणा, जिला सचिव गुरबक्शीश सिंह, मंडल अध्यक्ष बलकार सिंह, मंडल महामंत्री महेंद्र सिंह, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष जितेंद्र, पूर्व सरपंच मेहर सिंह, पक्का खेड़ा सरपंच अशोक, अला?

किसानों को खाद उपलब्ध करवाये सरकार: सुरजीत संधू

करनाल बिट्टू संधू

करनाल। इनेलो पार्टी के पूर्व युवा प्रदेश अध्यक्ष और जिला प्रधान कार्यकारी सुरजीत संधू गगसीना ने सरकार से मांग की है कि पुरे हरियाणा प्रदेश में किसान को डीएपी खाद नहीं मिल रहा !खाद की भारी किल्लत प्रदेश में है किसानों को सारा दिन लाईन में खडा होना पड़ता है! सुबह 5 बजे किसान को खाद लेने के लिये लाईन में लगना पडता है फिर भी एक किसान को सिर्फ दो कट्टे ही खाद के मिल पाते हैं सरकार का दायित्व बनता है कि अपने प्रदेश की जनता की आम जरुरतों को पूरा करे ! हरियाणा कृषि प्रदान प्रदेश है! फिर भी सरकार का किसान की तरफ कोई ध्यान नहीं है सरकार जल्द से जल्द खाद उपलब्ध करवाए नहीं तो अगर जनता सड़कों पर उतर आई तो सरकार को मुस्किल का सामना करना पड़ेगा।

फूलों की खेती से जुड़े सभी सहभागियों को जोड़ने के लिए, इस तरह के कार्यक्रम आवश्यक: डॉ सुरेश मल्होत्रा

महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे देश के 16 राज्यों के वैज्ञानिक

करनाल। सुखविंदर सोही

बागवानी के लिए स्मार्ट खेती समाधान पर सजावटी बागवानी विषय पर महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व चेयरमैन एएसआरबी एंड एग्रीकल्चर कमिश्नर भारत सरकार नई दिल्ली डॉ. गुरबचन सिंह ने शिरकत की।सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व चेयरमैन एएसआरबी एंड एग्रीकल्चर कमिश्नर भारत सरकार नई दिल्ली डॉ. गुरबचन सिंह, कार्यक्रम चेयरमैन ओर एमएचयू कुलपति माननीय डॉ. सुरेश मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित करके किया। राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के 16 राज्यों से वैज्ञानिक ओर फूल उद्योगों से जुड़े उद्यमियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ गुरबचन सिंह ने बताया कि देशभर में फूलों की खेती में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए स्मार्ट फॉर्मिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करना अति आवश्यक हो जाता है ताकि उत्पादन ओर उत्पाद को बढ़ावा दिया जा सकें। उन्होंने कहा कि इस वक्त किसानों के समक्ष

फूलों को बेचना सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ हैं, इसका समाधान के लिए फूल उगाने वाले किसानों को एफपीओ के माध्यम से सशक्त किया जाए, वैज्ञानिकों द्वारा खादय योग्य फूलों की भी संभावनाएं खोजी जाए। एमएचयू कुलपति व राष्ट्रीय सम्मेलन के चेयरमैन माननीय डॉ सुरेश मल्होत्रा ने बताया कि फूलों की खेती से जुड़े सभी सहभागियों को जोड़ने के लिए, इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता है। फूलों के निर्यात की दृष्टि से बढ़ावा देने की बहुत आवश्यकता बनी हुई हैं, पिछले साल 718 करोड़ रुपए के फूल अमेरिका, कनाड़ा, नीदरलैंड, मलेशि।

खालसा कॉलेज के पर्यटन प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र में आयोजित पर्यटन समागम में लिया भाग

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। गुरू नानक खालसा कॉलेज के पर्यटन प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र में आयोजित पर्यटन समागम में भाग लिया। पर्यटन विभाग की अध्यक्षा डॉ सोनिया वधावन ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित इस समागम का विषय महाभारत कालीन क्षेत्र का पारिवारिकरण रहा और इसमें मुख्य अतिथि हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा रहे। डॉक्टर सोनिया वधावन ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य कुरुक्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना और विद्यार्थी पर्यटन के क्षेत्र में अनेक रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस समागम में डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भविष्य में कुरुक्षेत्र का पर्यटन एक बहुत बड़ा उद्योग बनेगा और बहुत से लोग इसमें अपना रोजगार अपना कर अपना भविष्य बना सकते हैं। पर्यटन विभाग हरियाणा के निदेशक आरके सुमन ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और कहा कि पर्यटन में रोजगार की भरपूर संभावनाएं है। पर्यटन सूचना अधिकारी संजय कुमार ने मंच का संचालन किया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शशि मदान ने बताया कि पर्यटन विभाग के विद्यार्थी डॉ सोनिया और डॉ प्रवीण कुमार के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कर्ण लेक में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने प्राचार्य व स्टाफ को बधाई दी और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

देश की प्रगति में महिलाओं का विशेष योगदान : प्रोफेसर बलदेव राज कम्बोज

करनाल, सुखविंदर सोही

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र, उचानी (करनाल) के द्वारा शुक्रवार को एक्स-प्रशिक्षु सम्मेलन तथा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र उचानी के द्वारा करवाई गई ट्रेनिंग के चौदह प्रशिशुओं को सहायता सामग्री का वितरण किया गया। हरियाणा सरकार के निर्देशों पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र इस प्रकार के व्यावसायिक ट्रेनिंग का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज कम्बोज रहे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज कम्बोज ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण तथा सहायता सामग्री मिलने के लिये बहुत बहुत शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार, हरियाणा कृषि विश्वविधालय हिसार या फिर कृषि विज्ञान केन्द्र सभी का एक ही उद्देश्य है कि महिलायें इस प्रकार की व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन करके उनकी स्किल को बढ़ाकर स्व -रोजगार स्थापित करने में मदद की जा सके। उन्होंने बताया कि आज के युग में प्रदेश और देश की उन्नति में महिलाओं का विशेष योगदान है इसलिए आगे आकर व्यवसाय के मामले में भी अपनी मौजूदगी पूरे जोर शोर से दर्ज करानी होगी। बलदेव राज कम्बोज ने किसान भाइयों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को अब समार्ट बनकर नई तकनीकों के द्वारा खेती करनी होगी तथा हमारे वातावरण का विशेष ख्याल रखते हुए कम रासायनिक खाद, कम दवाइयों का इस्तेमाल कर मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए फसल अवशेषों को मिट्टी में ही मिलना होगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ बलवान सिंह मण्डल ने कहा।

शराब पिने से मना करने पर हुई कहासुनी का बदला लेने के लिए जी.टी. रोड़ किनारे बने ढ़ाबे में आग लगाने के दो आरोपी गिरफतार

करनाल, बिट्टू संधू

करनाल। जिला पुलिस की क्राइम युनिट सी.आई.ए-01 टीम द्वारा थाना सदर करनाल में दर्ज मुकदमा नंबर 439 दिनांक 23.05.2024 धारा 148,149, 323, 427, 436,506,201 भा.द.स. में दबिश देते हुए कल दिनांक 07.11.2024 को आरोपी..... राहुल पुत्र कृष्ण वासी उचाना को गिरफतार किया, जिसने वारदात में शामिल अपने एक साथी के संबंध में खुलासा किया। जिसे भी पुलिस टीम द्वारा आज सै0-16, करनाल गिरफतार कर लिया गया। इस संबंध में इन्चार्ज सी.आई.ए-01 उप निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि पूछताछ पर आरोपी राहुल ने बताया कि वह अपने साथीयों के साथ जी.टी. रोड़ के किनारे बने ढ़ाबा पर बैठकर शराब पिना चाहता था, लेकिन ढ़ाबा वाले ने मना कर दिया, जिससे उसके साथ काफी कहासुनी हुई और जिसका बदला लेने के लिए उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसी रात उस ढ़ाबा में आग लगा दी थी। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी व स्नैचिंग की धाराओं के तहत 06 मामले दर्ज हैं, जिनमें वह जेल भी जा चुका है। आज आरोपी को माननीय अदालत के सामने पेशकर न्यायीक हिरासत में भेज दिया गया है व उसके दूसरे साथी आरोपी..... कुनाल उर्फ जय पुत्र प्रवीन वासी टीकरी को कल पेश अदालत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपरोक्त मामले में पहले भी दो आरोपीयों को गिरफतार कर जेल भेजा जा चुका है।

हरियाणा: बेटी से दुष्कर्म करने वाले पिता को 10 साल की सजा

फरीदाबाद। की एक अदालत ने 50 वर्षीय व्यक्ति को अपनी बेटी से करीब चार साल तक दुष्कर्म करने के मामले में दोषी ठहराते हुए उसे 10 साल जेल की सजा सुनाई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फरीदाबाद हेमराज मित्तल ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए दोषी पर 60,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। पुलिस के अनुसार, दोषी पिता ने अपनी पत्नी की मौत के बाद करीब चार साल तक बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिसके बाद पीड़िता ने 2021 में एक गैर सरकारी संस्था के माध्यम से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि उसकी शादी 2017 में हुई थी, लेकिन सास से विवाद के बाद वह अपने पति के साथ ससुराल से अपने घर लौट आई थी। उन्होंने बताया कि जब भी उसका पति घर पर नहीं होता था, तो दोषी पिता अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। बाद में उसने हिम्मत जुटाई

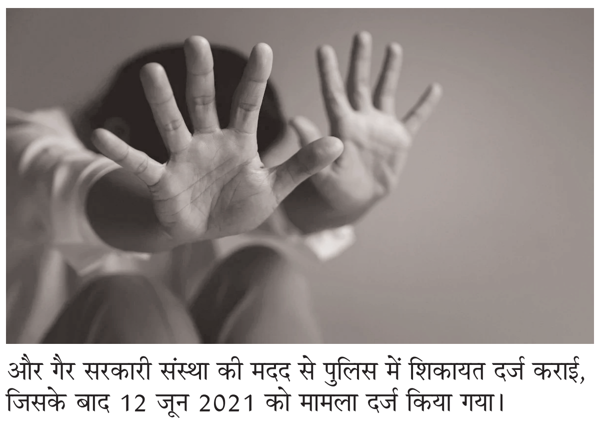

और गैर सरकारी संस्था की मदद से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 12 जून 2021 को मामला दर्ज किया गया।

फरीदाबाद की नीमका जेल में विचाराधीन कैदी ने आत्महत्या की

हरियाणा। में फरीदाबाद की नीमका जेल में बंद विचाराधीन कैदी ने रविवार को कथित रूप से खुदकुशी कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता बताया कि मृतक की पहचान प्रमोद कुमार के तौर पर हुई है और वह जुलाई से जेल में बंद था। उन्होंने बताया कि जुलाई में असावटी गांव में कुछ लोगों ने चोरी के शक में एक युवक की पिटाई कर दी थी, जिसकी बाद में मौत हो गई थी और इस बाबत गिरफ्तार किए गए आरोपियों में प्रमोद भी शामिल था। प्रवक्ता ने बताया कि उसने रविवार सुबह पांच बजे बैरक नंबर 20 में कथित रूप से फांसी लागकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन ने पोस्टमार्टम के लिए शव सिविल अस्पताल भेज दिया है तथा मृतक के परिजनों को भी सूचित किया जा चुका है।

हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपी गिरफतार

करनाल, सुखविंदर सोही

दिनांक 27.10.2024 को सै0-33, करनाल में एक पेंट फैक्ट्री के पिछे एक व्यक्ति का शव मिला था, जिसकी पहचान रवि गुप्ता वासी उतमनगर करनाल के रूप में हुई थी। जिसमें थाना सै0 32-33, करनाल में हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया था व मामले की जांच की जिम्मेवारी जिला पुलिस की क्राइम युनिट सी.आई.ए-02 को सौंपी गई थी। जो सी.आई.ए-02 की टीम ने स.उप निरीक्षक विकास कुमार की अध्यक्षता में उक्त मामले में कार्यवाही करते हुए दिनांक 04.11.2024 को आरोपी हर्षदीप उर्फ मुर्गा पुत्र सुखविन्द्र वासी राजीवपूरम, करनाल को गिरफतार कर माननीय अदालत से 05 दिन पुलिस रिमांड पर लिया गया। इस संबंध में सी.आई.ए-02 इन्चार्ज उप निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि दौराने रिमांड आरोपी से पूछताछ कर उनकी टीम द्वारा आज दिनांक 08.11.2024 को उसके दो साथी आरोपीयों 1. रोहित उर्फ चूजा पुत्र सुरेश वासी राजीवपूरम और 2. संदीप पुत्र विष्णुदेव बिहारी वासी विकास नगर, करनाल को हरिद्वार से गिरफतार किया गया। दोनों आरोपी को कल दिनांक 09.11.2024 को माननीय अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

सोलर होम लाइट सिस्टम पर मिल रहा अनुदान पहले आओं व पहले पाओं

करनाल, बिट्टू संधू

करनाल। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के मुख्य परियोजना अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका ने बताया कि जिले में वर्ष 2023-24 के लिए 45 होम लाइटिंग सिस्टम अनुदान पर वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रणाली में 75 वाट का सोलर मॉड्यूल, पैनल, 40 एएच 12.8 वोल्ट लीथियम बैटरी, नौ वाट की दो एलईडी लाइट्स एक पंखा शामिल है। इस उपकरण की कुल कीमत लगभग 14 हजार 250 रुपये है जिस पर राज्य सरकार की ओर से 10 हजार रुपये का विशेष अनुदान दिया जा रहा है तथा लाभार्थी को केवल 4250 रुपये में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह उपकरण प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति परिवार से संबंधित राजकीय स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियां जो अनुसूचित जाति परिवार से संबंध रखती हो तथा वह व्यक्ति, जिनकें वर्ष 2018 के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अथवा इंदिरा आवास योजना के तहत मकान बने हैं इसके लिए अतिरिक्त उपायुक्त के कार्यालय आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए लघु सचिवालय स्थित अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में संपर्क करें।

संक्षिप्त संक्षिप्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान सहस्त्रबाहु जयंती की बधाई दी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान सहस्त्रबाहु जयंती की प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि भगवान सहस्त्रबाहु का जीवन पराक्रम और पुरूषार्थ भरा रहा है। सनातन संस्कृति में लोक आस्था और परम्पराओं का विशेष महत्व है। भगवान सहस्त्रबाहु की कृपा प्रदेशवासियों पर बनी रहे यही कामना है।

विद्यार्थियों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने के लक्ष्य को समर्पित है भारत स्काउट्स एंड गाइड्स

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बौद्धिक एवं शारीरिक सामर्थ्य को अभिवर्धित कर विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवाभाव, सहनशीलता, समर्पण और त्याग की भावना जागृत कराने वाला भारत स्काउट्स गाइड्स संगठन, राष्ट्रीय व मानवीय मूल्यों को संचारित कर विद्यार्थियों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने के लक्ष्य को समर्पित है। संगठन का उद्देश्य सराहनीय है, यह प्रयास सतत् सफल हो, यही शुभेच्छा है।

31 जनवरी तक शाम सात बजे तक खुलेगा जनजातीय संग्रहालय

भोपाल। मध्यप्रदेश की सभी जनजातियों के जीवन, रहन-सहन, देशज ज्ञान, कला परम्परा और सौन्दर्यबोध की विशिष्टता को स्थापित करने का कार्य जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में किया गया है। यहां जनजातियों की बहुरंगी एवं बहुआयामी देशज संस्कृति को बेहतरीन स्वरूप में संयोजित किया गया है। जनजातीय संग्रहालय के निदेशक ने बताया कि हर साल संग्रहालय में अवलोकन का समय परिवर्तन किया जाता है। इसके तहत इस वर्ष एक नवंबर, 2024 से (मंगलवार से रविवार तक) जनजातीय संग्रहालय दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक एवं 1 फरवरी 25 से अक्टूबर 25 तक दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक दर्शकों एवं पर्यटकों के लिये खोला जायेगा।

महिला के हाथ से मोबाइल झपटने वाले 3 बदमाश पकड़ाए

भोपाल। टीटीनगर पुलिस ने बुधवार को रोशनपुरा चौराहे पर महिला के हाथ से मोबाइल फोन झपटकर भाग जाने वाले तीन आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। उनसे अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बेतवा अपार्टमेंट के सामने पूजा खरे नामक महिला बस का इंतजार कर रही थी। इसी बीच बाइक पर आए तीन बदमाश उसके हाथ में रखा मोबाइल झपटकर भाग गए थे। पीड़ित महिला की शिकायत पर टीटीनगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। इसके लिए आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गए तथा मुखबिरों को भी सक्रिय कर दिया गया। आरोपियों की तलाश में लगी पुलिस टीम को गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपियों जैसे हुलिये वाले तीन लोग मिसरोद बायपास पर खड़े हैं और कोई वारदात करने की फिराक में हैं। पुलिस टीम को देखकर तीनों संदिग्धों ने बाइक से भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम जगदीश अहिरवार पिता रामप्रसाद अहिरवार उम्र-21 वर्ष नि.वार्ड 06, काछी मोहल्ला मण्डीदीप, राहुल माझी पिता कल्लू मॉझी उम्र-21 वर्ष नि.वार्ड 01, आईसक्रीम फैक्ट्री के पास फूलचंद नगर, मण्डीदीप है। वहीं, एक आरोपी बाल अपचारी है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया रेडमी कंपनी का मोबाइल जब्त कर लिया गया है।

गाँधी की विरासत को बचाने के लिए राजघाट मे सत्याग्रह आंदोलन लगातार जारी

राजघाट में गांधी की विरासत को बचाए रखने के लिए 100 दिनो के सत्याग्रह आंदोलन में देश भर से दो दर्जन से अधिक जिलों से लोग शामिल हो चुके है।

>> 11 सितंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा सत्याग्रह आंदोलन

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

वाराणसी। गाँधी की विरासत को बचाए रखने के लिए वाराणसी स्थित राजघाट परिसर के सामने चल रहे सत्याग्रह आंदोलन के गुरूवार के 59 वां दिन आंदोलन जारी रहा । देशभर से अब तक महाराष्ट्र, उड़ीसा ,झारखंड, मध्य प्रदेश ,पश्चिम बंगाल ,उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, आंध्र प्रदेश ,तेलंगाना के गांधी विचारक लोगो की भागीदारी हो चुकी है। 1-5 नवंबर तक आंध्र प्रदेश के सर्वोदय साथी भाग लिए और 6 से 10 नवंबर तक तेलंगाना से आए साथी सत्याग्रह मे शामिल होंगे । इस विरासत को बचाए रखने के लिए आज तेलंगाना के बोदीपलली के शिवरामकृष्णा,एस महेश और शिव राम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने दोस्त के साथ सर्वोदय से जुड़े।तेलंगाना के शिवरामकृष्ण को जब पता चला कि सर्व सेवा संघ को बुलडोजर द्वारा गिरा दिया गया तब उनके मन में एक अलख जगी और बनारस जाकर सत्याग्रह में शामिल होकर इस विरासत को बचाना आवश्यक है। आज उपवास पर तेलंगाना के दो साथी सत्याग्रह मे बैठे रहे। भारत के महान संतो और स्वतंत्रता आंदोलन में विकसित हुए सेकुलर फेडरल और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की विरासत को बचाने के लिए 11 सितंबर से(विनोबा जयंती) सर्व सेवा संघ के आह्वान पर न्याय के दीप जलाएं 100 दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन जारी है जो कि 19 दिसंबर को संपन्न होगा। उत्तर प्रदेश सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष राम धीरज ने कहा कि भारत मे विविधता लोकतंत्र की बुनियाद है और धर्मनिरपेक्ष अल्पमत के प्रति बहुमत की जवाबदेही है। सेकुलरिज्म और फेडरल संरक्षना के बिना लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता। सर्व सेवा संघ भारत की इसी संकल्पता का हिमायती है।इसलिए सरकार इस पर आघात कर रही। तेलंगाना से आज उपवास कर्त्ता पेरूमल शिवराम कृष्णा महेश कुमार, सर्व सेवा संघ के मंत्री अरविंद कुशवाहा वरिष्ठ गांधीवादी अलख भाई, लेखक और पत्रकार शक्ति कुमार ,तारकेश्वर सिंह, सुरेंद्र नारायण सिंह,लोक चेतना समिति की पूनम ,वंदना, निशा, पूर्वांचल बहुजन मोर्चा के अनुप श्रमिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गांधी विचारक जागृति राही, तेलंगाना से भास्कर गिरी प्रकाश, प्रवीण गोविंदमम, बिहार से डॉ अमानुल हक, आलमगीर हुसैन और सोनभद्र से युवा सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार प्रशांत कुमार दुबे।

जल-जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति में तेजी लाएं : पी. नरहरि

31 मार्च तक सभी कार्य पूर्ण किये जाएं

■ भोपाल

सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पी. नरहरि ने शहडोल संभाग में जल-जीवन मिशन के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक ली। श्री नरहरि ने कहा कि जल-जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति में तेजी लायें, 31 मार्च तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण किये जाएं और निर्माण एजेंसियों के प्रदर्शन पर निगरानी रखी जाये। जो निर्माण एजेंसियाँ अपने कार्यों में ढिलाई बरत रही हैं, उन्हें हटाकर पुन: टेण्डर प्रक्रिया की जाये, जिससे समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता वाले कार्य सुनिश्चित हो सकें। श्री नरहरि ने निर्देश दिये कि जिला एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल-जीवन मिशन के कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा करें और साथ ही समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति प्रदान करें। उन्होंने जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से आपस में समन्वय कर कार्यों को संपादित करने को कहा। सचिव, श्री नरहरि ने कहा कि हर घर तक शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये और इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपे जाने की व्यवस्था की जाये।

बैठक में जल निगम के प्रबंध संचालक के.वी. चौधरी ने शहडोल संभाग में जल निगम द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता के लिये तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिये। सचिव श्री नरहरि ने कहा कि सरकार की जल-जीवन मिशन के प्रति प्रतिबद्धता और समग्र विकास की दिशा में प्रयासों को और भी मजबूत किया जायेगा। प्रमुख अभियंता श्री के.के. सोनगरिया, मुख्य अभियंता श्री एच.एस. गौड़ और सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम विश्व शांति एवं मानवता के लिए समर्पित।

अंतरिक्ष विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आगे आए विश्व की नई पीढ़ी।

>> भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) द्वारा 2008 में चंद्रयान परिक्षेपण की 16 वी वर्षगांठ पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन ,मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

चंपारण। सत्याग्रह भवन में भारत द्वारा अक्टूबर 2008 को भारत ने चंद्रमा पर शोध एवं अनुसंधान किया था। यान को 8 नवंबर 2008 को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया गया था।14 नवंबर 2008 को, चंद्रमा प्रभाव जांच 14:36 ??यूटीसी पर चंद्रयान ऑर्बिटर से अलग हो गई और नियंत्रित तरीके से दक्षिणी ध्रुव से टकराई। जांच 15:01 यूटीसी पर क्रेटर शेकलटन के पास पहुंची। प्रभाव के स्थान को जवाहर पॉइंट नाम दिया गया था । इस मिशन के साथ, इसरो चंद्रमा की सतह तक पहुंचने वाली पांचवीं राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी बन गई थी। 15 वर्षों के लंबे प्रयासों एवं अभ्यासों के माध्यम से भारत में इसी वर्ष 2023 में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले देश के साथ विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।अन्य देश जिनकी राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने पहले ऐसा किया था , वे थे 1959 में पूर्व सोवियत संघ , 1962 में संयुक्त राज्य अमेरिका,1993 में जापानऔर 2006 में ईएसए सदस्य देश। इस अवसर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ,डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया ,वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक डॉ अमानुल हक ने संयुक्त रूप से कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम विश्व शांति एवं मानवता की रक्षा के लिए समर्पित है ।इस अवसर पर वक्ताओं ने विश्व की नई पीढ़ी के युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी में नई पीढ़ी आगे आए जिसका सपना बरसों पहले महात्मा गांधी ,इसरो के संस्थापको एवं हमारे पुरखों ने देखा था।

भारतीय शिक्षा के ध्वजवाहक श्री बत्रा नहीं रहे, दी श्रद्धांजलि

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, मध्य क्षेत्र ने व्यक्त किया शोक

■ भोपाल

राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन के नेतृत्वकर्ता और शिक्षा में भारतीयता के ध्वजवाहक, लेखक एवं चिंतक श्री दीनानाथ बत्रा का 94 वर्ष की आयु में आज दिल्ली में निधन हो गया। श्री बत्रा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के पूर्व अध्यक्ष और शिक्षा बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक रहे। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के मध्य क्षेत्र के संयोजक एवं मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के निदेशक श्री अशोक कड़ेल ने श्री बत्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि श्री बत्रा प्रेरणादायी शिक्षक होने के साथ कुशल संगठनकत3ा भी थे। उन्होंने देश में शिक्षा बचाव आंदोलन समिति के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। साथ ही, शिक्षा से जुड़ी विभिन्न शासकीय और अशासकीय समितियों, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री और उपाध्यक्ष के रूप में शिक्षा सुधार की गतिविधियों का नेतृत्व किया। श्री बत्रा ने शिक्षा से जुड़े विषयों पर एक दर्जन से अधिक पुस्तक लिखी। उन्हें उत्कृष्ट कार्यो के लिए राष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। श्री कड़ेल ने उनके निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और परमात्मा से परिजनों को यह दुः ख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

सेवासदन के शिविर में 1800 छात्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

■ संतनगर

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय की टीम ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की। चिकित्कों द्वारा सभी 1800 विद्यार्थियों चेकअप कर चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है।

शिविर में सेवासदन के चिकित्सक डॉ. कोमल दासवानी, डॉ रोशनी ज्ञानचन्दानी, डॉ. अजय सिंह, डॉ नीरज दुबे तथा सहयोगी तारा छत्तानी ने अपनी सेवाएं दीं। बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए जागरूक भी किया गया। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने सेवासदन की सेवाभावना के प्रति साधुवाद दिया। चेलानी ने कहा कि सेवासदन की टीम ने पिछले साल भी विद्यालय के 1800 विद्यार्थियों का चेकअप किया गया था। इस साल भी सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने सेवासदन द्वारा आयोजित शिविर लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा एवं समस्त शिक्षक-शिक्षकाएँ थी। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने चिकित्सक, सेवासदन के ट्रस्टी आयलदास साधवानी का आभार व्यक्त किया।

वार्ड की समस्याओं का निदान करना मेरी जिम्मेदारी

वार्ड चार में छह लाख की लागत से दो सड़कों के निर्माण के लिए भूमिपूजन

■ संतनगर

संतनगर के वार्ड चार में छह लाख रूपये की लागत से दो सड़कों के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी एवं कर्नल नारायण पारवानी ने निर्माण कार्य की शुरूआत की।

इस अवसर पर कर्नल पारवानी ने कहा कि विश्वास है वार्ड पार्षद हिंगोरानी अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास और समस्याओं को लेकर उम्मीदों को पूरा करेंगे। हिंगोरानी ने कहा कि सीआरपी क्षेत्र में लगातार विकास कार्य करवा हो रहे हैं। स्टेशन रोड पर सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू हो गया है, जो व्यापारियों एवं यात्रियों के लिए सुविधा होगी। छह लाख की लागत से समाधि वाली गली एवं मोहनलाल धनाराम दरबार वाली गली के निर्माण का भूमिपूजन किया गया है, जल्द ही दो और ग़लियों का निर्माण शुरू होगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता महेश खटवानी ने किया।

भूमिपूजन समारोह में शामिल हुए 21 नगरों के संत-महात्मा

माता मंदिर में हनुमानलाल की प्राण प्रतिष्ठा होगी

■ संतनगर

सैनिक कॉलोनी नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में श्रीराम भक्त हनुमान लाल की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होगी। 21 नगरों से आए कथा व्यास, संत-महात्माओं ने गुरूवार को भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मंदिर के पुजारी रवि पटेरिया ने कहा कि हम सब रामलला के निमित्त का कार्य करने जा रहे हैं। जल्द ही हनुमान लला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में गुफा मंदिर के महंत विजयदास, चैतन्य स्वरूप, उज्जैन, टैंपल ऑफ संबोधि के संतलाल साईं, विश्व हिंदू परिषद के विशाल पुरोहित, आचार्य अनिल रूद्र महाराज कथा व्यास राम किशोर, कथा व्यास आचार्य कृष्णा पाण्डेय, , कथा व्यास मनोज शास्त्री, पंडित शिवराम भार्गव, कथा व्यास निधि किशोरी, पंडित राजीव लोचन, पंडित गोविंद राम गर्ग, पंडित नीलमणि दुबे, पंडित विजय वाजपेयी, पूर्व जिला पंचायत के सदस्य विष्णु विश्वकर्मा शामिल हुए। आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष सुशील वासवानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारण, नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, पार्षद प्रियंका अनिल मिश्रा, भाजपा मंडल महामंत्री राधे महाराज, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मधु चांदवानी, समाजसेवी बसंत चेलानी, विहिप जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गुर्जर, बजरंग दल सह संयोजक पवन धाकड़ व अन्य विशिष्ठजन मौजूद रहे।

नाटक

चिल्ड्रन थियेटर अकादमी,भोपाल के कलाकारों ने किया नाटक का मंचन

नाटक 'यमराज का निमंत्रण' में कलाकारों ने किया दर्शकों को मोहित

■ भोपाल

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली के सहयोग से चिल्ड्रन थियेटर अकादमी, भोपाल द्वारा अर्घ्य प्रेक्षागृह, गांधी भवन परिसर में 6वां राष्ट्रीय बाल नाट्य समारोह के तहत गुरुवार को यमराज का निमंत्रण नाटक का मंचन किया गया। नर्मदा प्रसाद ठारे द्वारा लिखित नाटक का निर्देशन नमिता बनसोड़ ने किया।

नाटक में बताया गया कि यमराज का निमंत्रण की कहानी में एक अभिमानी राजा रहता है, जो अपनी ही झूठी प्रशंसा के लिए लालची रहता है। राजा की दो रानियां रहती है एक का नाम महामाया और दूसरी का नाम महाकाया । महाकाया रानी राजा को पसंद करती है और उसी से शादी करना चाहती है। और दो गुणगाणी पंडित रहते है जो राजा की रोज झूठी प्रशंसा करके थक जाते है और परेशान होते है । एक दिन राजा को यमराज का निमंत्रण आता है यमराज के यमदूत राजा को लेने आते है लेकिन राजा जाने से इंकार कर देता है और सब से पूछने के लिए कहता है कि इस राज्य के लिए कितना जरुरी है , जब यमदूत धर्माधिकारी का रुप लेकर सबसे पूछते है तो सभी इंकार करते है तब राजा को समझ आता है कि उसे कोई भी नहीं चाहता इस राज्य के लिए तब राजा यमदूत से कहता है मुझे यमराज का निमंत्रण स्वीकार है और यमदूत के साथ चला जाता है।

मंच पर

माधुरी मार्कण्डे, पूजा अहिरवार, अनुश्री वानखेडे, किमरन सेन, लश्री पण्डा, ऋषि पवार, सपना सेन, प्रिया सेन, श्रीजा बनमोड, प्रिया, सीमा, लकी, ऋषी, अंजु द्वारा सहज अभिनय किया गया। मंच पर नाट्य प्रस्तुति में संगीत सुरेन्द्र वानखेड़े एवं संकेत कुमार भरत द्वारा तथा मंच परबंधन का कार्य मनीष बनसोड़ द्वारा किया गया।

आशुतोष द्विवेदी का चयन सकुरा साइंस प्रोग्राम के लिए हुआ

■ भोपाल

सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी स्कूल (भेल) छात्र आशुतोष द्विवेदी का चयन प्रेरणा विद्यालय के द्वारा सकुरा साइंस प्रोग्राम के भी हुआ था जिसके तहत उसे जापान जाने का अवसर प्राप्त हुआ। उनका आरसी चयन एक इनोवेशन के कारण हुआ जो कि एक बारकोड था। उस बारकोड के द्वारा यह बताया था कि किस तरह से हम अपने समस्त दस्तावेज को एक बार कोड के अंदर सेव कर उसको सुरक्षित कर सकते हैं। तकनीक के प्रति जिज्ञासा को देखकर आशुतोष का चयन इस कार्यक्रम के लिए हुआ। इस कार्यक्रम में प्रेरणा विद्यालय के द्वारा पूरे देश से 20 विद्यार्थियों का चयन सकुरा साइंस प्रोग्राम के लिए हुआ।

यह कार्यक्रम एक साप्ताहिक कार्यक्रम था जिसके तहत विद्यार्थियों ने जापान के कई बड़े संस्थानों में भ्रमण किया एवं जापान की तकनीक के बारे में जानकारी इकट्ठा की। ।गुरुवार को विद्यालय में उनके जापान से लौटने पर स्वागत किया गया।

ट्रंप ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दोहराते हुए कहा कि मैं अमेरिका के लिए हर पल काम करूंगा

जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप का पहला भाषण

भगवान ने किसी खास मकसद से मेरी जिंदगी बचाई है: ट्रंप

हम अमेरिका को ठीक करेंगे

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की ज़रूरत है। हम अपनी सीमाओं को ठीक करने जा रहे हैं। आज रात इतिहास एक कारण से है और कारण सिर्फ इतना है कि, हमने उन बाधाओं को पार कर लिया जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि हमने सबसे अविश्वसनीय राजनीतिक जीत हासिल की है।

एजेंसी, वॉशिंगटन

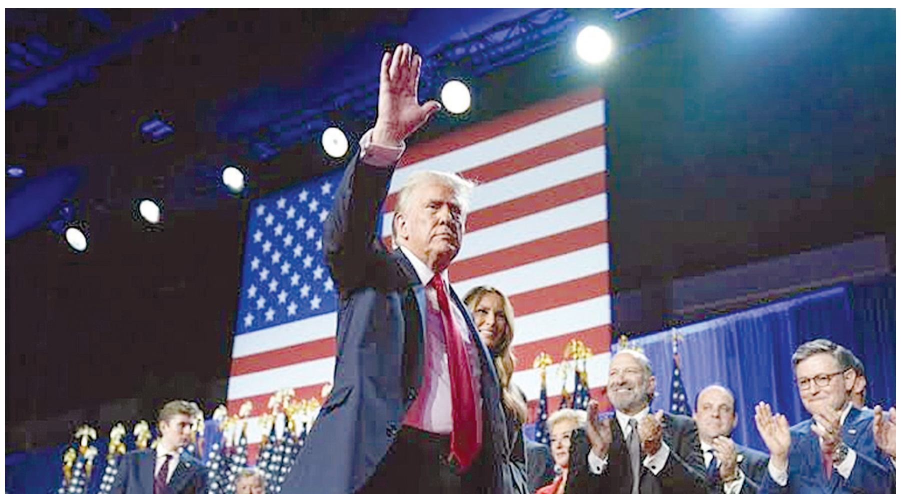

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देखो आज मैं कहां हूं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों का धन्यवाद दिया और कहा कि मैंने ऐसा जश्न पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा कि वह देश को सुरक्षित करने के लिए सबकुछ करेंगे। इस दौरान उनके समर्थक यूएसए के नारे लगाते रहे। डोनाल्ड ट्रंप ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दोहराते हुए कहा कि मैं अमेरिका के लिए हर पल काम करूंगा। उन्होंने कहा कि ये मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण पल है और मेरा सबकुछ अमेरिका के लिए समर्पित है। ट्रंप ने कहा कि मैं हर नागरिक, आपके लिए, आपके परिवार के लिए और आपके भविष्य के लिए लड़ूंगा। हर दिन, मैं अपने शरीर की हर सांस के साथ आपके लिए लड़ता रहूंगा। मैं तब तक आराम नहीं करूंगा जब तक हम अपने बच्चों को मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध अमेरिका नहीं दे देते आप इसके पात्र हैं।

जानलेवा हमले का भी जिक्र किया: ट्रंप ने अपनी विक्ट्री स्पीच में चुनाव प्रचार के दौरान उन पर हुए जानलेवा हमले का भी जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें कई लोगों ने कहा था कि भगवान ने किसी खास मकसद से उनकी जिंदगी बचाई है और यह मकसद था अपने देश को बचाना और अमेरिका को महान बनाना। ट्रंप ने कहा, हम इस मिशन को पूरा करेंगे। यह काम आसान नहीं है, लेकिन मैं इसके लिए जी जान एक कर दूंगा। यह दुनिया की सबसे अहम जॉब है। मैं अपने पहले टर्म की तरह अपने वादों को पूरा करूंगा। मुझे इससे कोई नहीं रोक सकता है। मैं अमेरिका को फिर से एक ताकतवर, सौहार्दपूर्ण मुल्क बनाऊंगा। यह सबसे बढ़िया जॉब है। इसके जैसी कोई और जॉब नहीं है। मुझे अपनी बात आपके सामने रखने से कोई नहीं रोक पाएगा।

ट्रंप ने एलन मस्क को कहा– धन्यवाद

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण में कारोबारी एलन मस्क का भी नाम लिया है। ट्रंप ने उनके भाषण की तारीफ की है। उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद भी दिया है। बता दें कि एलन मस्क ने बढ़ चढ़कर चुनाव में ट्रंप को समर्थन दिया था और फंडिंग भी की थी। ट्रंप ने अपनी विक्ट्री स्पीच में हर दिन अमेरिकी लोगों के लिए लड़ना जारी रखने की कसम खाते हुए देश को स्वर्ण युग में ले जाने का वादा किया। मंच पर उनके साथ उनका परिवार मौजूद रह। जिसमें उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप, बच्चे और साथ ही उनके साथी जेडी वेंस और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन भी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक जीत पर ट्रंप को दुनिया भर से मिली बधाई

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई देते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, वह पहले की ही तरह उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप की जीत पर बधाई देते हुए कहा, ट्रंप की वापसी अमेरिका के नए दौर की शुरुआत है और इजरायल के साथ शक्तिशाली गठबंधन को पुन: प्रतिबद्धता प्रदान करती है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बधाई देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के जीत हासिल करने के बाद ब्रिटेन और अमेरिका के बीच विशेष संबंध नए अमेरिकी प्रशासन के तहत भी समृद्ध होंगे।

निचले सदन में भी बहुमत

रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में बहुमत के करीब है। इसकी 435 सीटों के लिए हर 2 साल में चुनाव होते हैं। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी होती हैं। रिपब्लिकन पार्टी 197 और डेमोक्रेटिक पार्टी 177 सीटें हासिल कर चुकी है। हालांकि, ऊपरी सदन यानी सीनेट ताकतवर है, लेकिन सरकार चलाने में दोनों सदनों की एक जैसी भूमिका है। संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी बहुमत से किसी विधेयक को पारित कराया जा सकता है।

बाइडेन के कार्यकाल से कितना बदलाव आएगा

ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के लिए 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति का पदभार संभालेंगे। इस चुनाव में ट्रंप को काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले। इसी दौरान ट्रंप पर एक बार जानलेवा हमला भी हुआ और कम से कम दो बार हमले का प्रयास किया गया। इसके बावजूद ट्रंप विजेता बनकर उभरे। ऐसे में जानें कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी विदेश नीति कैसी होगी और बाइडन के कार्यकाल से कितना बदलाव आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति पद को फिर से हासिल करने के लिए अभियान चलाते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह 24 घंटे में यूक्रेन में रूस के युद्ध को समाप्त कर देंगे। उन्होंने चेतावनी भी दी थी कि अगर वह चुनाव हार गए तो इजरायल को खत्म कर दिया जाएगा और उन्होंने चीनी आयात पर नए टैरिफ लगाने की कसम खाई थी।

रूस ने दी चौंकाने वाली प्रतिक्रिया

रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम पर चौंकाने वाली प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत को लेकर क्रेमलिन ने कहा कि वे अंतिम नतीजों की घोषणा का इंतजार करेंगे। क्रेमलिन से जारी बयान के मुताबिक अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद यूक्रेन के साथ 30 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होता है या नहीं, यह देखना बेहद दिलचस्प रहेगा।

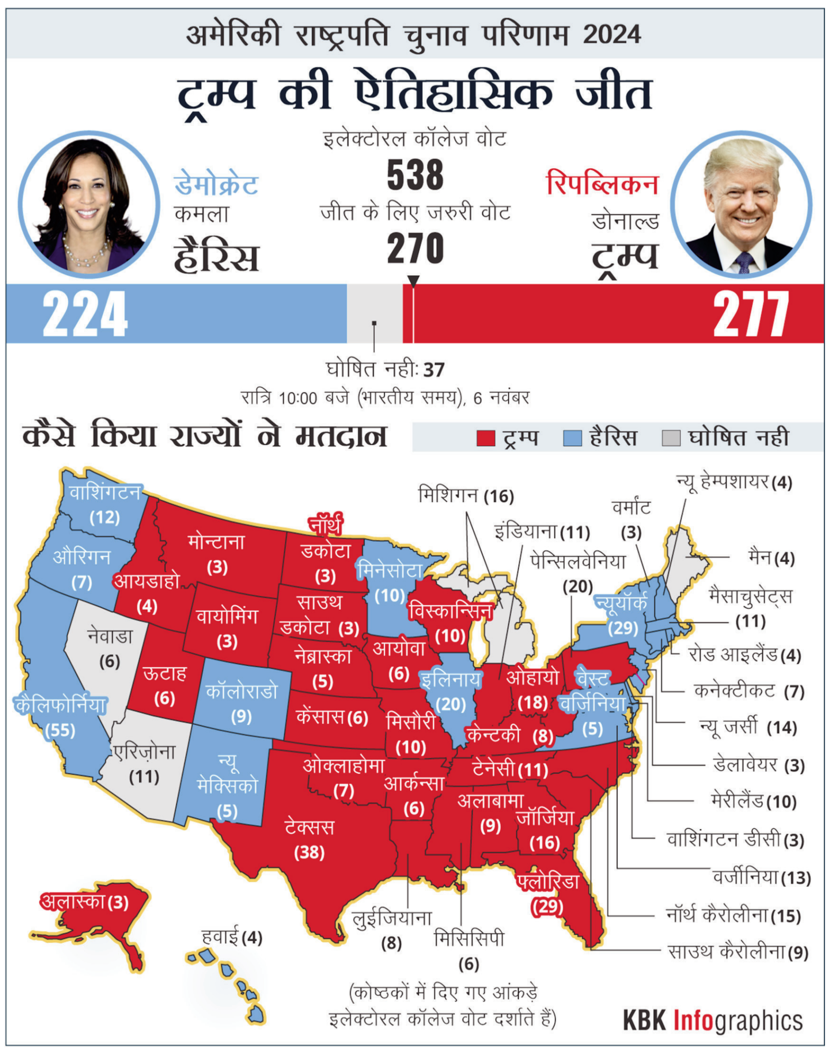

विदेश समाचार

पूर्व ब्रिटिश भारतीय गृह सचिव प्रीति पटेल विदेश सचिव चयनित

लंदन। ब्रिटेन की विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी की नवनिर्वाचित प्रमुख केमी बडेनोच ने पूर्व ब्रिटिश भारतीय गृह सचिव प्रीति पटेल (52) को अपनी शैडो विदेश सचिव के रूप में चयनित किया। वे हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्षी धड़े में शीर्ष टीम का हिस्सा बन गई हैं। पटेल गुजराती मूल की हैं। विपक्ष के नेता के रूप में ऋषि सुनक की जगह लेने की दौड़ में शामिल रह चुके रॉबर्ट जेनरिक और मेल स्ट्राइड को क्रमशः शैडो न्याय सचिव और शैडो चांसलर नियुक्त किया गया।

नेपाल: सोने की तस्करी में एक चीनी सहित 3 गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के विमानस्थल से सोने की तस्करी का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से बुधवार को सुबह तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से तस्करी के लिए लाया गया 5 किलो से अधिक सोना बरामद किया गया है। सोने की यह खेप स्पीकर के भीतर छिपा कर लाई गई थी। गिरफ्तार तस्करों में एक चीनी और दो म्यांमार के नागरिक हैं। डीएसपी थापा के मुताबिक बुधवार की सुबह शारजाह से काठमांडू आई एयर अरेबिया के विमान से आने वाले यात्रियों की नियमित जांच की जा रही थी।

उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ यूक्रेन की मुठभेड़

कीव। यूक्रेनी सैनिकों ने पहली बार रूस में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ युद्ध किया। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने मंगलवार को कहा कि उत्तर कोरिया की सेना रूस की मदद कर रही है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने कहा कि यूक्रेनी सेना की उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ रूस के कुर्स्क क्षेत्र में झड़प हुई है।

गैलेंट के स्थान पर विदेशमंत्री काट्ज को नियुक्त किया

इजराइल में रक्षामंत्री गैलेंट की बर्खास्तगी पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के रक्षामंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त करने के फैसले से लोगों में भारी नाराजगी है। नागरिक सड़कों पर उतर आए और रातभर प्रदर्शन किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, नेतन्याहू ने मंगलवार रात आश्चर्यजनक रूप से रक्षामंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त करने की घोषणा की। नेतन्याहू ने गैलेंट के स्थान पर विदेशमंत्री काट्ज को नियुक्त किया है। उन्होंने शीर्ष स्तर पर यह फेरबदल ऐसे समय पर की जब इजराइल की सेना गाजा में हमास और लेबनान में हिज्बुल्लाह खिलाफ लड़ रही है। बताया गया है कि गैलेंट गाजा में संघर्ष विराम समझौते पर जोर दे रहे थे, जिससे बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो सके। गैलेंट की बर्खास्तगी ने इजराइल में असंतोष को जन्म दे दिया है। प्रदर्शनकारियों ने तेल अवीव राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया।

इजराइल के हमले में दक्षिणी लेबनान के 29 गांव मलबे में तब्दील

बेरूत। आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के हमले में दक्षिणी लेबनान के 29 गांव मलबे में तब्दील हो गए। इजराइल ने यहां हिजबुल्लाह की सुरंगों को निशाना बनाकर आतंकी समूह की कमर तोड़ दी है। लेबनान के अखबार बेरूत टुडे ने अपनी खबर में यह दावा सैटेलाइट फुटेज के आधार पर किया है। इसमें कहा गया है कि दक्षिणी लेबनान का मेस अल जबल गांव चार नवंबर को इजराइली सेना के शक्तिशाली विस्फोटों में मटियामेट हो गया। यहां विनाश के अलावा कुछ नहीं बचा है। हिजबुल्लाह आतंकवादियों को सीमा से पीछे धकेलने के उद्देश्य से किए जा रहे हमलों से दक्षिणी लेबनान के गांवों में बार-बार तबाही हो रही है। म्हाइबेब, मारवाहीन, ओडाइसेह, कफ्र किला हौला और एतारौन गांवों में सब कुछ सेकंडों में मलबे में तब्दील हो गया। इनफार्मेशन इंटरनेशनल के अनुसंधान निदेशक मोहम्मद शामेद्दीन का दावा है कि इजराइल ने सीमा पर कम से कम 29 गांवों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। लेबनान के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि इजरायली सेना का यह अभियान युद्ध अपराध है। इस पर इजराइल ने कहा कि उसका मकसद सीमा क्षेत्र में हिजबुल्लाह के सुरंगों के नेटवर्क को नेस्तनाबूत करना है। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, लेबनान में मंगलवार को इजराइल की एयर स्ट्राइक में कम से कम 25 लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। इजराइल ने माउंट लेबनान के चौफ जिले के बारजा में एक आवासीय अपार्टमेंट को निशाना बनाया। इस हमले में 15 लोग मारे गए। गांवों और कस्बों में हुए हमले में 10 अन्य लोग हताहत हुए हैं।

हिंसा के बाद इलाके में फैला तनाव

चटगांव में इस्कॉन को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी

हिंदुओं ने जताया विरोध

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि व्यापारी उस्मान अली ने फेसबुक पर इस्कॉन को आतंकवादी का समूह बताया था। जिसके बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था और हजारी गली क्षेत्र में रहने वाले हिंदू समुदाय ने इसके खिलाफ नाराजगी जताई थी। दरअसल हजारी गली में मुख्य रूप से हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं। जो आभूषण की दुकानों और थोक दवाओं का व्यवसाय करते हैं। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने बताया कि इस्कॉन मंदिर को लेकर की गई इस टिप्पणी को लेकर रातभर झड़पें हुई।

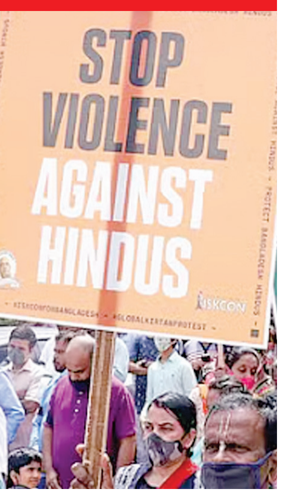

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पड़ोसी देश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में इस्कॉन मंदिर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी, जिसके बाद दो समुदायों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान हुई मारपीट में कई लोगों के घायल होने की खबर है। इस घटना के बाद चटगांव के कुछ हिस्सों में सेना के नेतृत्व में संयुक्त बलों ने बुधवार को गश्त की बढ़ा दी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मुस्लिम किराना दुकानदार उस्मान अली द्वारा इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉनशस्नेस) के खिलाफ फेसबुक पर की गई पोस्ट को लेकर झड़प हो गई थी और इसमें कई लोग घायल हो गए थे।

हिंसा में कई सुरक्षाबल घायल: घटना की जानकारी देते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल फिरदौस अहमद ने बुधवार को बताया कि इस्कॉन को लेकर की गई टिप्पणी के बाद आरोपी अली की दुकान के सामने भीड़ एकत्र हो गई, जिसके बाद संयुक्त बल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने अली और उसके भाई को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, गुस्साई भीड़ ने आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले एसिड और आस-पास की इमारतों से कांच की टूटी बोतलें फेंकी। जिससे सेना के पांच जवान और सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। अहमद ने कहा कि संयुक्त बलों ने हिंसा में शामिल 80 संदिग्धों को हिरासत में लिया है तथा कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय खुफिया जानकारी और सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करते हुए अपराधियों की पहचान की जा रही है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंगलवार शाम को किसी भी तरह ही बड़ी हिंसा न होने के लिए संयुक्त बलों को घटनास्थल पर आने का आग्रह किया था। इलाके में बुधवार को कोई नई हिंसा नहीं हुई, लेकिन तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

ट्रूडो सरकार चीन के साथ शोध सहयोग खत्म करे

एजेंसी, ओटावा

कनाडा की संसदीय समिति ने अपनी एक रिपोर्ट में जस्टिन ट्रूडो सरकार से अनुरोध किया कि वह चीन के साथ शोध सहयोग को तुरंत समाप्त करे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह के सहयोग से बीजिंग को खतरनाक वायरस तक पहुंच हासिल करने में मदद मिली है और यह ओटावा की सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। 'कनाडा-चीन संबंध पर विशेष समिति' की अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया कि चीन अब अधिक आक्रामक हो गया है, जिसमें विदेश में हस्तक्षेप और जासूसी शामिल हैं।

■ कनाडा की संसदीय समिति ने अपनी एक रिपोर्ट में अनुरोध किया

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीनी सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह 2049 तक दुनिया की सबसे उन्नत और आधुनिक सैन्य ताकत विकसित करना चाहती है। इसके साथ ही चीन गतिविधियां अब पहले कहीं ज्यादा आक्रामक हो गई हैं, जिसमें विदेश में हस्तक्षेप और जासूसी भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का प्रतिभा प्रबंधन कार्यक्रम कनाडा से शोध और प्रौद्योगिकी हासिल करने का एक तरीका है। इसमें आगे कहा गया है कि कनाडा सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी (पीएचएसी) के दस्तावेज पेश करने में विफल रही।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान

अमेरिका अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में बहुत अधिक सतर्क हो गया है

एजेंसी, सिडनी

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर आजकल ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर हैं। उन्होंने यहां 'रायसीना डाउन अंडर' कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से लेकर भारतीय विदेश नीति के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि कुछ हद तकलोग उम्मीदवारों, उनके विचारों और प्राथमिकताओं के बीच अंतर करेंगे। अमेरिका अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में बहुत अधिक सतर्क हो गया है। जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों पर कहा, 'कुछ हद तक, यह स्वाभाविक है कि लोग उम्मीदवारों, उनके विचारों और प्राथमिकताओं के बीच अंतर करेंगे। मगर हम अगर पीछे मुड़कर देखें तो पता चलता है कि शायद ओबामा के समय से शुरू हुआ है कि अमेरिका अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में बहुत अधिक सतर्क हो गया। राष्ट्रपति ट्रंप इस संबंध में अधिक स्पष्ट और अभिव्यक्त हो सकते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि आखिरकार यह राष्ट्रपति बाइडन ही थे, जिन्होंने अफगानिस्तान से वापसी की और यह राष्ट्रपति ओबामा ही थे, जिन्होंने कहा था कि वे भविष्य के किसी भी संघर्ष में अमेरिकी सैनिकों को भेजने के बारे में बहुत सतर्क रहेंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम केवल तत्कालीन प्रशासन की विचारधारा के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भी देखें। अमेरिका में संसाधनों पर दबाव है। हम सभी को निष्कर्ष निकालना होगा। हमें अपने पसंदीदा परिणाम को पेश करने के बजाय उनका विश्लेषण करना चाहिए।'

कार्यस्थल की तैयारी करना हमारी प्राथमिकता: उन्होंने आगे कहा, 'भारत की विदेश नीति के लिए, वैश्विक कार्यस्थल की तैयारी करना हमारी शीर्ष तीन प्राथमिकताओं में से एक होगी और यह आसान नहीं है। दुनिया की वास्तविकता यह है कि मानव संसाधन बहुत असमान हैं। हमें संसाधनों को साझा पूल के रूप में देखना होगा और हम इन संसाधनों को कैसे बेहतर तरीके से तैयार कर सकते हैं ताकि वे दुनिया के लिए उपलब्ध हों।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बनीज से मुलाकात की

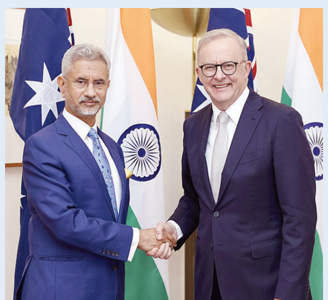

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक के दौरान, जयशंकर ने अल्बनीज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज कैनबरा में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात करते हुए खुशी हुई। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हार्दिक बधाई दी। भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए उनके मार्गदर्शन की सराहना करता हूं।

संपादकीय

370 का भूत

5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया गया था। उसके बाद जम्मू कश्मीर को एक तरह से बड़ी जेल में तब्दील कर दिया गया था। दस साल तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव नहीं हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले कहा था कि अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है। कहा कुछ भी जा रहा हो, लेकिन 370 का भूत आसानी से खत्म नहीं होने वाला है। जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 वापसी के प्रस्ताव पर भारी हंगामा हुआ। बात मारपीट तक आ गई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में इंजीनियर रशीद के भाई और विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने अनुच्छेद 370 पर बैनर दिखाए। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति जताई। जिसके बाद हंगामा शुरू हुआ। इस दौरान बीजेपी के कुछ विधायकों को धक्के देकर बाहर भी निकाला गया। दरअसल, अनुच्छेद 370 पर प्रस्ताव पर तीखी बहस की शुरुआत सोमवार को विधानसभा के उदघाटन सत्र से ही हो गई थी। पुलवामा का प्रतिनिधित्व करने वाले पीडीपी नेता वहीद पारा ने शुरुआत में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे और राज्य के दर्जे को बहाल करने का प्रस्ताव पेश किया। यह कदम 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के खिलाफ उनकी पार्टी के रुख के अनुरूप था। लेकिन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उमर अब्दुल्लाह की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 की बहाली और जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता के लिए अभियान चलाया था। क्या चुनाव जीतने के बाद वह अपनी बात से पीछे हट रहे हैं? अनुच्छेद 370 पर लंबे समय से राजनीति जारी है। फिलहाल भी यह रुकेगी नहीं। कोई कितना भी कहता रहे कि इसे हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है, लेकिन इसका सवाल कभी भी सतह पर आता रहेगा और राजनीति के केंद्र में रहेगा। सच यही है कि अनुच्छेद 370 अब अतीत है, लेकिन अतीत का भूत जल्दी जाने वाला नहीं है। हालांकि इस पर अब राजनीति बंद होनी चाहिए। इस वक्त जम्मू कश्मीर को स्थायित्व की जरूरत है, युवाओं को रोजगार की जरूरत है, साफ पानी की जरूरत है। अब वहां चुनी हुई सरकार है, भले की ज्यादातर अधिकार उपराज्यपाल के पास हों, लेकिन अवाम की जरूरतों का ख्याल सरकार को ही रखना है। अनुच्छेद 370 से आगे बढ़ना होगा। अतीत के भूत को कायम रखा तो प्रदेश और ज्यादा पिछड़ जाएगा।

कितना भी कहा जाए कि अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है, लेकिन इसका भूत कभी भी सतह पर आता रहेगा और राजनीति के केंद्र में रहेगा।

पाठकवाणी

डोनाल्ड ट्रंप से भारत को उम्मीदें

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप मे डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की कमान अपने हाथ लेकर अन्य देशों में अपना वजूद कायम कर दिया। भारत के संबंधों की अगर बात करें तो भारत अमेरिका के रिश्ते दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। मोदी की ट्यूनिंग अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ इतनी मजबूत रही है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान को चिंता की भट्टी में जलना है। हमारे देश को ट्रंप से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक और सांस्कृतिक एवं कही पहलुओं पर उम्मीद है कि भारत की दोस्ती को निभाएंगे। यही नहीं, हमारे प्रधानमंत्री मोदी से ट्रंप उनके रणनीत और कार्यों से पूर्व से ही प्रभावित हैं। भारत अमेरिका की दोस्ती से चीन, पाकिस्तान की नींद जरूर उड़ जाएगी। भारत में समस्त विकास के पहलुओं पर परचम लहराया जाएगा। अमेरिका भारत की दोस्ती ऐतिहासिक दोस्ती बने। ट्रंप हिंदुओं के समर्थक हैं और आतंक के घोर विरोधी। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप भारत के मित्रता भाव और हितैषी भाव के प्रखर व्यक्तित्व हैं। ट्रंप से भारत को अनवरत उमीदें रहेंगी। भारत भी हर हाल परिस्थिति में अमेरिका के साथ खड़ा रहेगा। साधुवाद के पात्र हैं डोनाल्ड ट्रंप जिनको अमेरिका की जनता ने चुना और सेवा का मौका दिया। अब भारत अमेरिका की विजय शंखनाद दुनिया के देशों में सुनाई देगी। मोदी के साथ सकारात्मक ट्यूनिंग बनाकर देशों का विकास परचम लहराएंगे?

-योगेश जोशी, बड़वाह

कुछ खास

हम शायद अगले कुछ सालों में पहले से बहुत ज्यादा इंटिग्रेटेड ग्लोबल वर्कप्लेस की ओर बढ़ेंगे। ट्रंप इसके लिए इमिग्रेशन और मोबिलिटी यानी गतिशीलता में फर्क करेंगे। ट्रंप की वापसी से अमेरिका और भारत के बीच बिजनेस भी बढ़ सकता है।

-एस जयशंकर, विदेश मंत्री

आज का ट्वीट

''मिथुन चक्रवर्ती एक भाषण में कह रहे हैं कि उन्हें भाजपा के ऐसे कार्यकर्ता चाहिए जो अपने सीने पर गोली खा सकें। मिथुन के 3 बेटे हैं, तो क्या वे ये शुरुआत अपने घर से करेंगे?''

-श्वेता ढुल

भारत को कितना महत्व देंगे ट्रंप

शाहीन सबा

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे प्राचीन लोकतंत्र अर्थात संयुक्त राज्य अमेरिका की बागडोर अब रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के 131 साल के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी पूर्व राष्ट्रपति ने एक बार चुनाव हारने के बाद फिर से सत्ता में वापसी की है। इससे पहले 1893 में ग्रोवर क्लीक्लैंड ऐसे पूर्व राष्टपति थे जिन्हे दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

पूरे राजनीतिक परिदृश्य और चुनाव कैंपन पर नजर डाले तो यह बात साफ हो जाती है कि कमला के जीत के प्रयासों में ही उनकी हार-छिपी हुई थी। पूरे चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ट्रंप को हल्के में लिया। अमेरिकी मीडिया संयुक्त राज्य को पहली अश्वेत और महिला राष्ट्रपति देने के लिए उत्साहित था। मीडिया के इस उत्साह में कमला के अतिरेक आत्मविश्वास ने कॉकटेल का काम किया जिसका नतीजा यह हुआ कि वे चुनावी सन्नाटे में पसरी मतदाताओं की मंशा भांप नहीं पाईं और चुनाव हार गईं। वे जीत को जेब में रखकर खरगोश की तरह सरपट दौड़ रही थीं। इसके विपरीत ट्रंप ने 2019 के चुनाव में मिली हार से कुछ चीजें सीखीं। इस बार उन्होंने शालीनता और शांतभाव से चुनाव लड़ा। उनके कैंपन में पहले जैसी आक्रामकता नहीं थी। चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने अपने भाषणों व उद्बोधनों में जिस तरह की भाषाशैली और बॉडी लैंगवेज का इस्तेमाल किया उससे वे अमेरिकी मतदाताओं के भीतर इस विश्वास को जगाने में सफल हुए कि वे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के एजेंडे पर ही काम करते हुए दिखेंगे।

अमेरिका दुनिया की महाशक्ति है। वह हमेशा अपने राष्ट्रहितों को ध्यान में रखता है। ऐसे में भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए। ट्रंप भारत को तभी तक महत्व देंगे जब तक उन्हें लगता है कि एशिया में चीन को काउंटर करने के लिए भारत एक 'बड़ी जरूरत' साबित हो सकता है।

ट्रंप को जानने वालों का कहना है कि ट्रंप जीतने के लिए ही मैदान में उतरे थे और अतंतः वे जीते भी। देखा जाए तो ट्रंप ने उसी दिन जीत का मन बना लिया था जब उनकी पार्टी ने उन्हे राष्ट्रपति पद के लिए एक ओर मौका देने के लिए नामित किया था। राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में जब वे चुनाव मैदान में उतरे थे तो बहुत कम लोगों को यह अनुमान था कि वे बाइडन की पार्टी को सत्ता से रूखसत करने में सफल हो सकेंगे।

अर्थव्यवस्था में सुधार का वादा, आव्रजन नीति, अमेरिकी फर्स्ट, यूक्रेन युद्ध, इजरायल संघर्ष, ट्रेडवॉर आदि मुद्दों ने ट्रंप के लिए बढ़त का काम किया। अर्थव्यवस्था और आव्रजन के मुद्दे पर 'स्विंग स्टेटस' के मतदाताओं ने ट्रंप पर भरोसा जताया और खुलकर उनके पक्ष में वोट दिए। हालांकि, कमला ने विभाजन को दूर करने और रिपबिल्कन और डेमोक्रेटस को फिर से एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने गर्भपात अधिकार और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़ा वादा किया था। प्रजनन अधिकारों के मामले में अमेरिकी मतदाता कमला के साथ खड़े दिखे। अमेरिकी लोकतंत्र का भविष्य भी इस दफा चुनाव में बड़ा मुद्दा बनकर उभरा।

सर्वेक्षण में आधे से ज्यादा मतदाताओं का मानना था कि ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हो सकते हैं। लेकिन तमाम धारणाओं के बावजूद ट्रंप दूसरी दफा व्हाइट पहुंचने में सफल रहे। चुनाव में धर्म की एंट्री भी हुई। ट्रंप ने बडी चतुराई से बांग्लादेश का मुद्दा उठाकर भारतीय वोटरों को साधने की कोशिश की। हिंदू हितों वाला उनका बयान काफी असरकार सिद्ध हुआ। चुनाव में यह ट्रंप का यह सबसे बडा सियासी दांव साबित हुआ। हालांकि, कमला ने भी भारतीय मूल के लोगों को लुभाने के लिए अपनी ओर से कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आप्रवासियों के लिए आसान नीतियां बनाने, भारतीय कामगारों और विद्यार्थियों के लिए अमरीकी दरवाजे खोलने व वीजा नियमों को आसान बनाने का वादा किया। भारतीय मतदाताओं का रूख बताता है कि कमला भारतीयों के लोकप्रिय हैं, लेकिन अमेरिका के दूसरे बडे समुदायों में वे शायद अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर पाईं, जिसका नुक्सान चुनाव में उठाना पड़ा।

सवाल यह है कि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद दुनिया के प्रति अमेरिका का नजरिया क्या रहेगा। जिस बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात दुनिया के अलग-अलग कोनों में की जा रही है, क्या उसके स्वरूप में कोई बदलाव आएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप पूर्ववर्ती रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों द्वारा स्थापित परंमपरा पर ही आगे बढ़ते हुए दिखें। सवाल भारत को लेकर भी है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की बेहतर कैमिस्ट्री है। वह अक्सर मोदी के साथ अपनी मित्रता की चर्चा करते हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान भी भारत-अमेरिकी संबंधों को और मजबूत करने की बात कही है। दोनों नेता 'इंडिया फर्स्ट' और 'अमेरिका फर्स्ट की नीति' पर आगे बढ़ रहे हैं। पर ध्यान रहे अमेरिका दुनिया की महाशक्ति है। वह हमेशा अपने राष्ट्रहितों को ध्यान में रखता है। ऐसे में भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए। हिंद प्रशांत और उसके बाहर चीन के सैन्य और आर्थिक विस्तार को रोकना अमेरिका का घोषित लक्ष्य है। ट्रंप भारत को तभी तक महत्व देंगे जब तक उन्हें लगता है कि एशिया में चीन को कांउटर करने के लिए भारत एक 'बड़ी जरूरत' साबित हो सकता है। इसलिए जब तक चीन के साथ अमेरिकी प्रतिस्पर्धा रहेगी तब तक ट्रंप ही नहीं कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के साथ संबंध कमजोर करने का जोखिम नहीं उठायेगा। लेकिन ट्रंप की व्यापार संतुलन व आव्रजन की नीति भारत को परेशाान कर सकती है। अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए ट्रंप ऐसी व्यापार नीतियों को लागू करना चाहेंगे जो साफतौर पर अमेरिका केंद्रित होगी। वे भारत पर व्यापार बाधाओं को कम करने और टैरिफ का सामना करने का दबाव डाल सकते है। ऐसे में भारत का आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और टेक्सटाइल क्षेत्र का नियात बड़े स्तर पर प्रभावित हो सकता है। आयात शुल्क के मामले में वह भारत को 'दोहन' करने वाला राष्ट्र बता चुके हैं। 2023-24 में भारत ने अमेरिका से 42.2 बिलियन डॉलर की वस्तुओं का आयात किया था। वहीं भारत ने अमेरिका में तकरीबन 77.52 बिलियन डॉलर का निर्यात किया है। इसको लेकर ट्रंप ने कहा था कि अगर उनकी सरकार आती है तो इस स्थिति को बदलेंगे और भारत पर टैरिफ शुल्क कम करने को लेकर दबाव बनाएंगे। ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी व्यापार और करों को लेकर भारत-अमेरिकी संबंधों में टकराव की स्थिति बनी थी।

सच तो यह है कि आज भारत-अमेरिकी रिश्ते जिस मुकाम पर है, वहां राष्ट्राध्यक्षों की व्यक्तिगत पंसद या नापंसद कोई मायने नहीं रखती है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप के लिए भी भारत-अमेरिकी संबंधों को नकारना आसान नहीं होगा।

भारत और ईरान के मैत्री संबंध

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि महान सभ्यताओं के बीच हमेशा से ही संबंध, आदान-प्रदान और उधार रहे हैं, जिन्होंने एक-दूसरे को समृद्ध किया है। ईरानियों और भारतीय उपमहाद्वीप के लोगों के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध बहुत पुराने समय से हैं। मोहनजोदड़ो और सिंध घाटी की शानदार सभ्यता, जो 2500 और 1500 ईसा पूर्व के बीच फली-फूली, में ईरानी सभ्यता के साथ संबंधों के स्पष्ट संकेत मिलते हैं। प्राचीन अवशेष, मिट्टी के बर्तन और उनके डिजाइन और पैटर्न में स्पष्ट समानता इस दावे के पक्ष में मजबूत सबूत हैं। इस सभ्यता के बाद इस भूमि पर आर्यों का आगमन हुआ। हालाँकि इस सामूहिक प्रवास के कारणों का अभी तक पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है, लेकिन दोनों लोगों की किंवदंतियों और धार्मिक ग्रंथों में पाई जाने वाली विभिन्न समानताएँ इस तरह के संबंध का संकेत देती हैं। कुछ विद्वानों का मत है कि संस्कृत, पुरानी फारसी और अवेस्तान भाषाएँ एक ही माँ की संतान हैं।2 इतिहास की प्रामाणिक पुस्तकों में मीड्स, पिशदादियन और कियानियन के दिनों में दो लोगों के बीच निरंतर संबंधों के कुछ संदर्भ दिए गए हैं। जोरास्ट्रियन की पवित्र पुस्तक यानी अवेस्ता में भी उत्तर भारत का उल्लेख किया गया है। सौभाग्य से अचमेनिद काल से हमारे पास पसेपोलिस के ऐतिहासिक स्मारकों जैसे प्रामाणिक स्त्रोत हैं4 जो साबित करते हैं कि उपमहाद्वीप के कुछ हिस्से ईरान की केंद्रीय सरकार की सहायक नदियों में से थे, एक तथ्य जो हेरोडोटस ने अपने प्रसिद्ध ऐतिहासिक कार्य में विस्तार से दिया है।5 अचमेनिद शासन के दौरान डेरियस द ग्रेट का राज्य पंजाब तक फैल गया और कारीगर, शिल्पकार और व्यापारी ईरान से भारत और भारत से ईरान की यात्रा करते थे और यहाँ तक कि ईरान और ग्रीस के बीच कुछ लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों ने अचमेनिद सेना के एक हिस्से के रूप में लड़ाई लड़ी। पसेपोलिस के अवशेष भी इस दृष्टिकोण की पुष्टि करते हैं। सिकंदर के आक्रमण और उसके बाद सेल्यूसिड शासन की स्थापना के बाद, सिंध और भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ अन्य हिस्से, जो तब तक अचमेनिड्स के प्रभुत्व में थे, सेल्यूसिड के प्रभाव में आ गए। सेल्यूसिड्स के पतन और पार्थियन शासन (228 ई.) की स्थापना के बाद, दोनों लोगों के बीच संबंधों में और वृद्धि हुई, जबकि सफविद काल (226 - 652 ई.) उनके बीच सांस्कृतिक आत्मीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रदान करता है। यह पारस्परिक समृद्धि जारी रही और दोनों लोगों के बीच यात्राओं का आदान-प्रदान हुआ और यहाँ तक कि अंतर-विवाह भी प्रचलन में आया। जैसा कि ईरान के महान कवि फिरदौसी ने शाहनामा (राजाओं की पुस्तक) में लिखा है, सस्सानिद राजा बहराम-ए-गुर जो उत्सव, शिकार और संगीत के शौकीन थे, ने भारतीय राजा शांगोल से अनुरोध किया कि वे दस हजार विशेषज्ञ गायकों और संगीतकारों का चयन करें और उन्हें ईरान भेजें ताकि वे भारतीय संगीत की कला सिखाएँ और ईरानी भारतीय संगीत की धुनें सीख सकें और भारतीय राजा ने ऐसा ही किया। कुछ ऐतिहासिक कार्यों में दावा किया गया है कि बहराम-ए-गुर (मृत्यु 438 ई.) भारत की यात्रा पर भी आए थे9 और ईरानी राजाओं ने कुछ भारतीय महिलाओं को अपनी रानियों के रूप में भी चुना था10 इसी तरह इस्लाम-पूर्व युग में बहुत करीबी सांस्कृतिक संबंधों के कई अन्य उदाहरण हैं जैसे कि पंच तंत्र का प्रसिद्ध अनुवाद - अनुशिरवन के शासनकाल के दौरान पहलवी में दंतकथाओं की भारतीय पुस्तक, जिसे नौशेरवान न्यायप्रिय के रूप में बेहतर जाना जाता है, और भारत से ईरान में शतरंज का आगमन11 और नौशेरवान द्वारा भारत में बैकगैमौन भेजना जो बोजोर्गमेहर का आविष्कार था, नौशेरवान के बुद्धिमान मंत्री।12 सासानी राजवंश के शाही दरबारों में अनेक भारतीय अनुवादकों की उपस्थिति भी थी13 और दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक और व्यापारिक संबंध लगातार बढ़ रहे थे, जिसके कारण व्यापारियों के कारवां का निरंतर आना-जाना लगा रहता था। इस्लाम के आगमन और उसके बाद ईरानियों के धीरे-धीरे इस्लाम में धर्मांतरण के साथ, विशेष रूप से 652 ई. में अंतिम ईरानी राजा यज्दगेरद तृतीय के विनाश के बाद, जिसके कारण ईरान में सस्सानिद शासन का अंत हो गया, ईरान को विशाल मुस्लिम साम्राज्य में मिला लिया गया। खुले दिल से इस्लाम अपनाने वाले ईरानियों ने इस दिव्य धर्म के प्रसार और प्रचार के लिए अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दिशा में उठाए गए शुरूआती कदमों में से एक था अरब कमांडरों की सेनाओं में शामिल होना। सबसे पहले 664 ई. में, वे महलाब बी. अली सफराह की सेना में शामिल हुए, जो पेशावर, खुरासान, अफगानिस्तान और खैबर दर्रे तक गए।15 बाद में वे 712 ई. में सिंध की विजय के लिए मुहम्मद बिन कासिम सकाफी की सेना में शामिल हो गए।16 मुहम्मद बिन कासिम ने अपने ऐतिहासिक मिशन पर जाने से पहले शिराज17 में कुछ समय के लिए प्रवास किया और स्वाभाविक रूप से उनकी सेना में इस्लाम में परिवर्तित हुए कई ईरानी शामिल थे। इस प्रकार इस्लाम ईरान के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश कर गया। हालांकि, यह याद रखना चाहिए कि इस्लाम आसानी से भारतीय लोगों के दिलों में अपनी जड़ें नहीं जमा सका। हालांकि उपमहाद्वीप के एक हिस्से पर मुहम्मद बिन कासिम ने कब्जा कर लिया था, फिर भी इस्लाम वहां नाम मात्र के लिए ही मौजूद था।18 इसके बाद ही ईरानियों द्वारा धीरे-धीरे इस्लाम ईरान में फैला और गजनवी काल (962 - 1186 ई.) तक चला, जिसने संपर्क बिंदु का स्थान ले लिया। अमीर नसीरुद्दीन सबुक्तगीन ने 986 ई. में भारत में प्रवेश किया और पेशावर पर विजय प्राप्त की19 और उसके बाद उसके बेटे सुल्तान महमूद गजनवी (1030 ई.) ने भारत पर कई आक्रमण किए। गजनवी सेना के साथ हजारों ईरानी विद्वान, लेखक, कवि और चिकित्सक थे जो अपने साथ फारसी भाषा, रीति-रिवाज और परंपराएँ लेकर आए थे और इससे भारतीय संस्कृति पर ईरानी संस्कृति का गंभीर और व्यापक प्रभाव पड़ा। इस तरह ईरानी संस्कृति को भारतीय धरती पर प्रभावी ढंग से स्थापित किया गया और इसके परिणामस्वरूप दोनों लोगों के बीच हमेशा से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण संबंधों को और बढ़ाया गया। इसे फारसी भाषा के प्रभाव की शुरूआत भी माना जाता है जो समय बीतने के साथ और अधिक विकसित होती गई। ईरानी मूल के शासकों ने गजनवी काल से लेकर ब्रिटिश काल तक लगभग 800 वर्षों तक उपमहाद्वीप पर शासन किया, यानी 1857 ई. तक जब अविभाजित भारत में ब्रिटिश शासन शुरू हुआ और 1947 ई. तक चला, जिस वर्ष भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग स्वतंत्र राज्य घोषित किया गया। इन आठ शताब्दियों के दौरान, शासकों ने फारसी भाषा और साहित्य और परिणामस्वरूप ईरानी संस्कृति के प्रचार और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गजनवी (962 - 1186 ई.) और विशेष रूप से महमूद गजनवी के शासनकाल के दौरान, शिल्पकारों, धर्मशास्त्रियों, कवियों, लेखकों, खगोलविदों और ज्योतिषियों सहित विभिन्न व्यवसायों और व्यवसायों के लोगों ने उपमहाद्वीप मे

इस्लामी ईरानी सभ्यता का प्रतिनिधित्व किया20 और लाहौर ने फारसी ज्ञान, साहित्य कला और रहस्यवाद के एक महत्वपूर्ण केंद्र का स्थान ग्रहण किया। इसी प्रकार, ईश्वरीय कृपा प्राप्त करने के लिए इस्लाम के प्रचार में लगे लोगों की संख्या भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई। इस क्षेत्र की ऐतिहासिक-बौद्धिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, रहस्यवादियों और सूफियों ने इन क्षेत्रों में इस्लाम के प्रचार में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने फारसी में इस्लामी सूफीवाद पर कई किताबें और ग्रंथ संकलित किए21 जिन्होंने इन क्षेत्रों में फारसी के विकास और प्रचार में प्रभावी भूमिका निभाई। शेख अली होजवीरी22 (मृत्यु लगभग 1099 ई.) कशफ उल-महजूब के प्रसिद्ध सूफी लेखक 1040 ई. में लाहौर पहुंचे और फारसी गद्य में इस्लामी सूफीवाद पर पहला काम लिखा, जिसे भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी में लिखी गई सबसे पहली किताब माना जाता है। गजनवियों के संरक्षण में भारतीय उपमहाद्वीप में बड़ी संख्या में कवियों, लेखकों, विद्वानों और सूफियों का उत्कर्ष हुआ, जिनमें से पहला कवि जिसने फारसी में अपना दीवान संकलित किया, वह अबुल फराज रूनी था, जिसका जन्म और पालन-पोषण लाहौर में हुआ था। इस अवधि की पहली फारसी कवयित्री रबीआ थी, जो काब कुजदारी की बेटी थी। जामी ने उन्हें अपने समय की सूफी महिलाओं में गिना है।24 कुछ लोगों के अनुसार वह बल्ख के उपनगरों से थीं, लेकिन अब यह स्थापित हो चुका है कि वह सिंध के क्षेत्र से थीं, जिसे खुजदार या कुजदार भी लिखा जाता था। गजनवियों के बाद, गौरी ने 1186 ई. से 1206 ई. तक भारत पर शासन किया26 जिन्होंने फारसी के प्रभाव के साथ बंगाल तक अपना प्रभुत्व बढ़ाया। इसके बाद दिल्ली के सुल्तानों के रूप में जाने जाने वाले पांच राजवंशों ने इस क्षेत्र पर शासन किया और कवियों लुबाब उल-अलबाब और एक अन्य पुस्तक जवामी उल-हिकायत के प्रसिद्ध लेखक मोहम्मद औफी सुल्तान नसीरुद्दीन कबाचा के संरक्षण में रहते थे। अमीर खोसरो और ख्वाजे हसन देहलवी को गयासुद्दीन बलबन के पुत्र अलाउद्दीन मोहम्मद द्वारा संरक्षण दिया गया था। 28 नुजहत उल-ख्वातिर के लेखक कहते हैं कि उन्होंने शेख सादी को मुल्तान29 में आमंत्रित किया और यह भी कहा कि उनके दरबार में हमेशा फिरदौसी के खाकानी और अनवारी के शाहनामे, नेजामी के खमसा और अमीर खोस्त्रो की कविता का पाठ किया जाता था। गौरी और मलूक (1206 - 1290 ई.) के बाद खिलजी (1290 - 1320 ई.) ने दिल्ली सल्तनत पर शासन किया और इस्लाम के शासनकाल के दौरान भी फारसी भाषा और ईरानी संस्कृति उपमहाद्वीप के सुदूर कोनों तक पहुँच गई और ईरान के विभिन्न भागों जैसे ताबारीज, इस्फहान और राय से विद्वान, धर्मशास्त्री और कलाकार खिलाजी राजाओं के दरबार में उमड़ पड़े और उन्हें भरपूर उपहार और पुरस्कार मिले। तुगलक (1320 - 1414 ई.) दिल्ली पर शासन करने वाले शासकों का तीसरा वंश था और इस अवधि के दौरान फारसी भाषा लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गई। इब्न-ए-बतूता जो 1333 ई. में दिल्ली आए और उन्हें शहर का काजी (न्यायाधीश) नियुक्त किया गया, ने अपने सफरनामा (यात्रा वृत्तांत)31 में एक अजीब और दिलचस्प घटना का उल्लेख किया है, जो फारसी भाषा के असाधारण प्रभाव का संकेत देती है। इब्न-ए-बतूता कहते हैं कि इस क्षेत्र के एक शहर में उन्होंने एक हिंदू महिला को देखा जिसे लोग उसके मृत पति के शव के साथ जिंदा जला देना चाहते थे। उन्होंने देखा कि महिला फारसी में कह रही थीः क्या तुम हमें आग से डराना चाहते हो, मैं जानती हूँ कि वह आग है। हमें अकेला छोड़ दो!दिल्ली सल्तनत के चौथे और पाँचवें राजवंश सादात और लोधी (क्रमशः 1414-1415 ई. और 1415-1526 ई.) थे और उनके शासन के दौरान कुलीनों, कुलीनों और सैनिकों के अलावा आम लोग भी, जो तब तक फारसी सीखने से दूर रहते थे, फारसी लिपि को पढ़ना और लिखना सीखने में लग गए। वैसे भी, तैमूर के आक्रमण के बाद का स्वर्णिम काल मुगल सम्राटों का था, जिन्होंने 1526 ई. से 1857 ई. तक इस उपमहाद्वीप पर शासन किया। इस वंश के संस्थापक बाबर (जहीरुद्दीन) की मातृभाषा चुगताई तुर्की थी, जो फारसी भाषा को बहुत पसंद करता था और कभी-कभी इस भाषा में कविता भी लिखता था। बाबर के दरबार में बड़ी संख्या में कवि थे। इस वंश का दूसरा राजा होमायूं (नसीरुद्दीन) था, जो शेरशाह सूरी अफगान के हाथों हार के बाद ईरान भाग गया और शाह तहमास्प सफवी की सैन्य सहायता के परिणामस्वरूप, कई ईरानी विद्वानों और कवियों के साथ भारत लौटने में सक्षम हुआ। होमायूं के शासनकाल के दौरान ही ईरान में उसके और उसके परिवार के परिचित होने और लंबे समय तक रहने के कारण, उपमहाद्वीप में प्रवास करने वाले कवियों, लेखकों, विद्वानों और सूफियों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हुई। उसने भी फारसी में कविता लिखी।35 उसे फारसी में एक दीवान भी माना जाता है। अकबर जलालुद्दीन ने लगभग आधी सदी तक शासन किया। फारसी कविता में उसके द्वारा दिए गए विशेष ध्यान और रुचि और ईरानी विद्वानों के संरक्षण के संबंध में वह अद्वितीय था। इस काल में ईरानी कवि बड़ी संख्या में उपमहाद्वीप में आए। अकबर ने पहली बार किसी कवि को अपने दरबार में कवि-पुरस्कार विजेता नियुक्त किया। उनके पहले कवि-पुरस्कार विजेता गजाली मशहदी थे, जिनके बाद फैजी अकबराबादी हुए। अब्दुर रहीम खान-ए-खानन जैसे उनके दरबार के कुछ रईसों ने भी फारसी भाषा और ईरानी संस्कृति के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जहाँगीर नूरुद्दीन की शादी नूरजहाँ से हुई, जो एक ईरानी रईस, मिर्जा गयासुद्दीन बेग तेहरानी की बेटी थी, इस उपमहाद्वीप में ईरानी भाषा और साहित्य का प्रभाव काफी बढ़ गया। ईरानी कला और वास्तुकला ने भी व्यापक लोकप्रियता हासिल की। शाहजहाँ शहाबुद्दीन के काल की विशेषता उपमहाद्वीप में ईरानी संस्कृति और कला का गौरव है। विभिन्न इमारतों पर ईरानी वास्तुकला और फारसी शिलालेख उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से लोकप्रिय हुए। उनके काल में बड़ी संख्या में किले, उद्यान और मस्जिदें बनाई गईं, जैसे आगरा में ताजमहल, दिल्ली में जामी मस्जिद और लाहौर में शालीमार गार्डन। उनके समय के प्रसिद्ध कवि अबू तालिब कलीम, उनके दरबार के कवि-पुरस्कार विजेता, कुदसी मशहदी और साईब तबरीजी हैं। औरंगजेब आलमगीर अपने पिता शाहजहाँ के उत्तराधिकारी बने और हालाँकि उन्हें कविता में बहुत कम रुचि थी, फारसी गद्य ने काफी प्रगति की। उनके द्वारा लिखे गए रुक्कात-ए-आलमगीरी (आलमगीर के पत्र) फारसी निबंधों का एक शानदार उदाहरण हैं। उनकी बेटी जेबुन निसा अपनी फारसी कविता के लिए जानी जाती हैं और उनका फारसी दीवान आज भी उपलब्ध है। औरंगजेब की मृत्यु के बाद, मुगल सत्ता भी कम हो गई और उनके ग्यारह उत्तराधिकारी विशाल साम्राज्य को बरकरार नहीं रख सके। हालाँकि फारसी ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी। मिर्जा असदुल्लाह खान गालिब (मृत्यु 1869 ई.) इसी काल के थे। गालिब फारसी और उर्दू के एक प्रतिष्ठित कवि हैं। 1866 ई. में ब्रिटिश काल की शुरूआत हुई और इस साम्राज्यवादी शासन ने इस क्षेत्र में फारसी के बचे-खुचे अवशेषों को भी नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन कम से कम फारसी कविता के क्षेत्र में उनके सभी प्रयास विफल रहे। शिबली नुमानी, गेरामी और सबसे बढ़कर अल्लामा डॉ. सर मोहम्मद इकबाल जैसे फारसी में लिखने वाले कवियों ने उपमहाद्वीप में फारसी भाषा के संरक्षण और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत और पाकिस्तान की आजादी के बाद से लेकर आज तक फारसी भाषा लगातार कमजोर होती रही है, लेकिन पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, फारसी की मधुर भाषा इस क्षेत्र की आधिकारिक भाषा रही है और इस लंबे समय के दौरान उपमहाद्वीप के विद्वानों और कवियों ने विभिन्न विषयों पर सैकड़ों किताबें लिखी हैं। इस काल का इतिहास हमेशा फारसी में ही लिखा गया है। कविता के संकलनों और दीवानों के अलावा, फारसी शब्दकोश संकलित सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से हैं। इस क्षेत्र में सौ से ज्यादा शब्दकोश संकलित किए गए हैं। कई अनुवाद भी किए गए और यहां तक कि रामायण और उपनाशी जैसे हिंदुओं की धार्मिक पुस्तकों का भी फारसी में अनुवाद किया गया। आज भी फारसी भाषा की कई पुस्तकों का उर्दू और अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाता है और उपमहाद्वीप में लिखी गई पुस्तकों का फारसी में अनुवाद किया जाता है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की प्रक्रिया जारी है और उम्मीद है कि दोनों सभ्यताओं के बीच यह संवाद और बढ़ेगा।

सार संक्षेप

अफगानिस्तान ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 92 रन से हराया

शारजाह : मोहम्मद नबी (84), कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (52) की अर्धशतकीय पारियों के बाद ए एम गजनफर (छह विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अफगानिस्तान ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश को 92 रन से हरा दिया है। मैच में छह विकेट लेने वाले ए एम गजनफर को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। अफगानिस्तान के 235 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही उसने चौथे ही ओवर में तंजिद हसन (तीन) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल शान्तो ने सौम्य सरकार के साथ पारी को संभाला। 12वें ओवर में अजमतउल्लाह ओमरजई ने सौम्य सरकार (33) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 26वें ओवर में मोहम्मद नबी ने नजमुल शान्तो (47) को आउट कर बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया। मेहदी हसन मिराज (28) रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज गजनफर और राशिद खान के आगे नहीं टिक सका और पूरी टीम 34.3 ओवर में 143 के स्कोर पर पर सिमट गई। इसके साथ बांग्लादेश को अफगानिस्तान के हाथों 92 रनों से हार झेलनी पड़ी। अफगानिस्तान के लिए ए एम गजनफर ने 6.3 ओवर में 26 रन देकर छह विकेट लिए। राशिद खान को दो विकेट मिले। मोहम्मद नबी और ए ओमरजई ने एक-एक बल्लेबाज के आउट किया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने मोहम्मद नबी (84), हशमतउल्लाह शहीदी (52) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर 49.4 ओवर में 235 रन का स्कोर खड़ा किया था। सेदिकुल्लाह अटल (22), गुलबदीन नईब (22), राशिद खान (10) रन बनाकर आउट हुए। नांगेलिया खरोटे ने (नाबाद 27) रनों की पारी खेली। अफगानिस्तान के पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बांग्लादेश की ओर से तसकीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने चार-चार विकेट लिए। शोरिफुल इस्लाम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ची य जेन को हराकर किरण जॉर्ज कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

इक्सान : भारतीय शटलर किरण जॉर्ज ने गुरुवार को पुरुष एकल मुकाबले में चीनी ताईपे के ची यू जेन को हराकर कोरिया मास्टर्स टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। यहां खेले गए 16 राउंड मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 41वें स्थान पर मौजूद किरण ने एक घंटा और 15 मिनट तक चले बेहद ही रोमांचक मैच में चीनी ताइपे के 31वीं रैंक वाले ची यू जेन को 21-17, 19-21, 21-17 से हराया। मैच की शुरुआत में किरण ने शुरुआती बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 5-1 से अपने पक्ष में कर लिया। इसके बाद ची यू जेन ने पलटवार करते हुए कुछ शानदार शॉट्स लगाए और एक समय स्कोर 12-11 से अपने हक में कर लिया। किरण ने इसके बाद शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए चीनी ताइपे के खिलाड़ी पर दबाव बनाना शुरू किया और गेम को आखिर में 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में भी भारतीय शटलर ने अपनी लय बरकरार रखी और 4-1 की बढ़त ले ली। हालांकि, इसके बाद ची यू जेन ने वापसी करते हुए देखते ही देखते 13-9 की बढ़त बना ली। इस बीच भारतीय खिलाड़ी ने भी जेन को कड़ी टक्कर दी और यह गेम आखिर तक रोमांचक मोड़ पर खड़ा रहा। लेकिन जेन ने इसे 21-19 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का सामना जापान के 34वीं रैंकिंग वाले खिलाड़ी ताकुमा ओबायाशी से होगा।

सचिन और सलमान के अर्धशतक से केरल ने यूपी पर बनाई 178 रनों की बढ़त

तिरुवनंतपुरम : कप्तान सचिन बेबी (83) और सलमान निजर (नाबाद 74) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से केरल ने गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय सात विकेट पर 340 रन बना लिये है। इसी के साथ केरल ने यूपी की पहली पारी के आधार पर 178 रन की बढ़त बना ली है। केरल ने बुधवार के दो विकेट पर 82 रन से खेलना शुरु किया। यूपी के गेंदबाजी आक्रमण के आगे केरल के बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। 28वें ओवर में शिवम शर्मा ने बाबा अपराजित (32) को आउट किया। इसके बाद आदित्य सरवटे (15) का भी शिवम शर्मा का शिकार किया। अक्षय चंद्रन (24) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सचिन बेबी और सलमान निजर ने पारी को संभाला। सचिन बेबी (88) बनाकर आउट हुए। जलज सक्सेना (35) को पीयुष चावला ने अपना शिकार बनाया। दिन का खेल समाप्त होने के समय केरल ने 110 ओवर में सात विकेट पर 340 रन बना लिये है और सलमान निजर (नाबाद 74) तथा मोहम्मद अजहरुद्दीन (नाबाद 11) रन बनाकर क्रीज पर थे। यूपी की ओर से शिवम मावी और शिवम शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। सौरभ कुमार, आकिब खान और पीयुष चावला ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कल केरल ने यूपी को पहली पारी में 162के स्कोर पर समेटा दिया था।

डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में उतरेंगी स्नेह राणा और इजी वॉन्ग

मुंबई : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मिनी ऑक्शन से पहले सभी 5 टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट रिलीज कर दी है। टीमों को प्लेयर रिटेंशन के बारे में गुरुवार शाम 5 बजे तक बताना था। स्नेह राणा, इजाबेल वॉन्ग और हीथर नाइट जैसी प्लेयर्स को टीमों ने रिलीज कर दिया है। चैंपियन आरसीबी ने 2 विदेशी प्लेयर्स रिलीज कीं। 2024 का डब्ल्यूपीएल जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम ने 7 प्लेयर्स को रिलीज किया। इनमें 2 विदेशी भी शामिल हैं। टीम ने इंग्लिश कप्तान हीथर नाइट और पिछले सीजन उनका रिप्लेसमेंट बनने वालीं नदीन डी क्लर्क को रिलीज कर दिया। स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली टीम ने एलिस पेरी, सोफी मोलिनिक्स, सोफी डिवाइन, जॉर्जिया वेयरहम और कैट क्रॉस को रिटेन किया।

सूर्या की निगाहें जीत के साथ आगाज पर

जीत के लक्ष्य के साथ 17 साल बाद डरबन के किंग्समीड मैदान पर उतरेगा भारत

पहला टी-20 मैच आज हार्दिक पर होगी नजर

● नई दिल्ली, वार्ता

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर आज से शुरु हो रही चार टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम जीत के लक्ष्य के साथ 17 साल बाद डरबन के किंग्समीड मैदान पर उतरेगी।

किंग्समीड मैदान पर वर्ष 2007 में भारत ने एकमात्र टी-20 मैच खेला है। 17 साल पहले खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 37 रनों से शिकस्त दी थी। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने अर्धशतक लगाया था और आरपी सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवरों में महज 13 रन देकर चार विकेट झटके थे। सीरीज का पहला मैच डरबन के किंग्समीड मैदान पर होगा। इस मैदान की पिच का मिजाज समझना बड़ा ही मुश्किल रहा है। इस मैदान पर 18 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले हो चुके है। ऐसा देखा गया है कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान रहा है, इस मैदान में पहली पारी में औसत स्कोर 153 रन और दूसरी पारी में औसत स्कोर 135 रन पर आ जाता है। इस मैदान पर नौ बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है और आठ बार दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम ने बाजी मारी है। एक मुकाबले का कोई परिणाम नहीं निकल सका। पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया ने इसी मैदान पर 191 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर दक्षिण अफ्रीका को हराया था। अगर रिकॉर्ड को देखा जाये तो भारतीय टीम यहां पिछली पांच टी-20 श्रृंखला में एक भी बार नहीं हारी है। इस दौरान तीन श्रृंखला ड्रा रही हैं। दोनों देशों के अबतक बीच

नौ द्विपक्षीय टी-20 श्रृंखला खेली गईं हैं। इनमें से चार में भारत ने और दो में अफ्रीका ने जीत दर्ज की है। भारत आखिरी बार नौ साल पहले अक्टूबर 2015 में दक्षिण अफ्रीका से टी-20 सीरीज हारा था। टी-20 विश्वकप सेमीफाइनल के बाद यह पहली होगा जब भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होगी। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल वर्ष 2006 में खेला गया था। अब तक दोनों टीमों के बीच 27 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 11 मैच में दक्षिण अफ्रीका और 15 मैच भारतीय टीम की जीत मिली हैं। एक मैच बेनतीजा भी रहा है। इनमें से दक्षिण अफ्रीका की सरजमीं पर खेले गये नौ मैचों में से भारतीय टीम ने छह मैच जीते और तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी अर्शदीप सिंह की अगुवाई में आवेश खान, विजयकुमार वैशाख और यश दयाल जैसे खिलाड़ी पर होगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस सीरीज में खेलने वाले कई खिलाड़ियों की नजर आईपीएल की बड़ी नीलामी पर रहेगी। इस टीम के 15 में से 11 खिलाड़ियों को विभिन्न आईपीएल फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किया गया है, लेकिन चार ऐसे खिलाड़ी भी हैं जिन्हें रिटेन नहीं किया गया हैं और वे आगामी नीलामी में टीमों की उनमें दिलचस्पी हो सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई भारतीय टी-20 टीम इस प्रकार हैः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, आवेश खान और यश दयाल।

शिवम,मनन और मयंक ने दिलाई चंड़ीगढ़ को बढ़त

चंड़ीगढ़, वार्ता : शिवम भांबरी (80), मनन वोहरा (44) और मयंक सिद्धू (44) रनों की शानदार पारियों के दम पर रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में गुरुवार को चंड़ीगढ़ ने 324 का स्कोर खड़ा 48 रन की बढ़त बनाई। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 32 रन बना लिए है। हालांकि वह पहली पारी के आधार पर चंड़ीगढ़ से 16 रन पीछे है। चंड़ीगढ़ ने बुधवार के एक विकेट पर 63 रन आगे खेलना शुरु किया। शिवम भांबरी और मनन वोहरा ने संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए (99) रन जोड़े। दूसरा विकेट कप्तान मनन वोहरा (44) के रूप में गिरा। इसके बाद अंकित कौशक (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शिवम भांबरी ने (88)रनों की पारी खेली। राज बावा (23), आयुष सिक्का (24), गुरिंदर सिंह (32), मयंक सिद्धू (44), जगजीत सिंह (18) और विशु कश्यप (9) रन बनाकर आउट हुए। निशंक बिड़ला (21) रन बनाकर नाबाद रहे। चंड़ीगढ़ ने 92 ओवर में 324 का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली के लिए आयुष बदोनी ने चार विकेट लिए। सुमित माथुर को तीन विकेट मिले। सिद्धांत शर्मा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। ऋतिक शौकीन ने एक विकेट लिया।

कर्नाटक को अभिनव और श्रेयस का सहारा

बेंगलरु, वार्ता : अभिनव मनोहर (नाबाद 50) और श्रेयस गोपाल (नाबाद 23) ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी के मुकाबले में कर्नाटक की लड़खड़ी पारी को संभालते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय गुरुवार को पांच विकेट पर 155 रन बना लिया है। हालांकि वह अभी बंगाल से 146 रन पीछे है। मैच के दूसरे इससे पहले बंगाल ने बुधवार के पांच विकेट पर 249 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। कर्नाटक के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगाल के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। अभी टीम के स्कोर में छह रन जुड़े थे कि वासुकी कौशिक ने शाहबाज अहमद (59) को आउट कर कर्नाटक को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद ऋद्धिमान साहा (6) भी अभिलाष शेट्टी का शिकार बन गए। सूरज सिंधु जायसवाल (16), आमिर गनी (18) और इशान पोरेल (5) रन बनाकर आउट हुए। बंगाल की पहली पारी 301 के स्कोर पर सिमट गई। कर्नाटक की ओर से वासुकी कौशिक ने पांच विकेट लिए। अभिलाष शेट्टी को दो विकेट मिले और श्रेयस गोपाल ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी कर्नाटक की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया, सीरीज भी जीती

● बारबडोस,

गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ब्रैंडन किंग (102) और केसी कार्टी (नाबाद 128) रनों की शानदार शतकीय पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 42गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। ब्रैंडन किंग को उनकी 102 रनों की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं मैथ्यू फोर्ड मैन ऑफ द सीरीज रहे।

इंग्लैंड के 263 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की ब्रैंडन किंग और एविन लुइस की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। सातवें ओवर में जेमी ओवर्टन ने एविन लुइस (19) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये केसी कार्टी ने ब्रैंडन किंग के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 209 रन जोड़े और अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर कर दिया। 41वें ओवर में रीस टॉप्ली

ने ब्रैंडन किंग (102) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा लेकिन तब तक ब्रैंडन अपना काम कर चुके थे। उन्होंने 117 गेंदों का सामना करते हुए 102 रनों की पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। केसी कार्टी ने 114 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 128) रनों की पारी खेली। कप्तान शे होप पांच रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 43 ओवर में दो विकेट पर 267 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया।

ध्रुव जुरेल ने जड़ा अर्धशतक

● मेलबर्न,

मेलबर्न में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में इंडिया-ए की पहली पारी 161 रन पर सिमट गई। टीम के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए। देवदत्त पडिकल ने 26 रन का योगदान दिया। नीतीश रेड्डी ने भी 16 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 4 और ब्यू वेबस्टर ने 3 विकेट लिए।

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ओपनिंग पोजिशन पर फेल रहे। उन्हें 4 रन पर स्कॉट बोलैंड ने आउट किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में फ्लॉप रहने के बाद केएल राहुल को इंडिया ए से खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया भेजा गया था। 2 मैचों की सीरीज में इंडियन टीम 0-1 से पिछड़ रही है। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप्स तक 2 विकेट खोकर 53 रन बना लिए हैं। मुकेश कुमार और खलील अहमद को 1-1 विकेट मिले। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने 80 रन की पारी खेली। टॉस हार

कर बल्लेबाजी कर रही इंडिया ए की शुरूआत खराब रही। टीम ने 64 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। टीम ने शून्य के स्कोर पर 2 विकेट गंवाए। ओपनर अभिन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन शून्य पर

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट : इंडिया-ए 161 रन पर ऑलआउट, पहले दिन पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया-ए का स्कोर 53/2

आउट हुए। यहां माइकल निसार ने पहले ओवर की तीसरी और चौथी बॉल पर विकेट लिए। उन्होंने अभिमन्यु ईश्वरन को रोचिओडी के हाथों कैच कराया। फिर अगली ही गेंद पर साई सुदर्शन को विकेटकीपर पियरसन के हाथों कैच कराया। केएल राहुल और कप्तान ऋतुराज गायकवाड भी खास प्रदर्शन नहीं कर सके। दोनों ने 4-4 रन ही स्कोर किए। केएल राहुल को बोलैंड और गायकवाड को नासिर ने पवेलियन भेजा। ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज माइकल नेसर ने पहले ओवर में लगातार दो बॉल पर 2 विकेट झटके। उन्होंने अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन और ऋतुराज गायकवाड को पवेलियन की राह दिखाई।

हॉकी के 100 साल पूरे होने पर सालभर चलेगा जश्न

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने पर एक भव्य जश्न शुरूआत की

● नई दिल्ली,

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय हॉकी की 100 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले एक भव्य जश्न की शुरुआत की घोषणा की।

आज के ही दिन सात नवंबर 1925 में ग्वालियर शहर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय की आधिकारिक तौर पर स्थापना की गई थी। इस निर्णायक क्षण ने विजय और गौरव की एक यात्रा की जोत जलाई, जिसने भारत को खेल में एक शक्तिशाली देश के रूप में मजबूती से स्थापित किया। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी जीती है। 52 साल के इंतजार के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम का लगातार दो ओलंपिक पदक जीतना और टोक्यो ओलंपिक में महिला हॉकी टीम का प्रभावशाली चौथा स्थान हासिल करना, साथ ही उनकी एफआईएच नेशंस कप जीत, इस पुनरुद्धार के प्रमाण हैं।

(फाइल फोटो)

हॉकी इंडिया लीग की वापसी, जो इस स्मारकीय वर्षगांठ के साथ मेल खाती है, हॉकी इंडिया की हमारे शानदार अतीत को संरक्षित करने और आगे के रोमांचक भविष्य को अपनाने की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है। भारत ने कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और देश भर में अत्याधुनिक कृत्रिम टर्फ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकासित किया है। हॉकी इंडिया ने सदस्य इकाई पोर्टल और ऑनलाइन खिलाड़ी पंजीकरण प्रणाली जैसी डिजिटल पहलों के साथ नवाचार को अपनाया है। अधिकारियों ने हमारा कोचिंग शिक्षा मार्ग भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया है। हॉकी इंडिया ने हमेशा खेलों में लैंगिक समानता का समर्थन किया है। वे टूर्नामेंट जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि और सभी लिंगों के लिए मानकीकृत मैच जीतने वाली फीस का गर्व से समर्थन करते हैं। हॉकी देश का एकमात्र टीम खेल है जिसमें पूर्ण वेतन समानता है। हॉकी इंडिया लीग की वापसी का समय इस शताब्दी समारोह के लिए एक सावधानीपूर्वक नियोजित श्रद्धांजलि है। महिला हॉकी इंडिया लीग की ऐतिहासिक शुरुआत की विशेषता वाली यह लीग बड़ी, बेहतर होने वाली है। यह कदम न केवल भारत के हॉकी पुनर्जागरण को प्रदर्शित करेगा बल्कि सभी एथलीटों को समान अवसर और मान्यता प्रदान करने के लिए हॉकी इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि जब हम भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो पुरुष हॉकी इंडिया लीग का फिर से शुरू होना और महिला हॉकी इंडिया लीग का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। साल भर चलने वाला यह जश्न हमारी उल्लेखनीय यात्रा और हमारी स्थायी विरासत का प्रमाण है। हम इन लीगों में होने वाले रोमांचक मैचों और असाधारण प्रतिभाओं को देखने के लिए उत्साहित हैं, जो उत्कृष्टता की भावना को उजागर करती हैं, जिसने एक सदी से भारतीय हॉकी को परिभाषित किया है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी का शताब्दी समारोह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जो हमारी समृद्ध विरासत और भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है।

हॉकी इंडिया लीग की वापसी और महिला लीग का शुभारंभ प्रतिभा को बढ़ावा देने और खेल में समानता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण क्षण हैं। हम उच्च क्षमता वाली हॉकी के एक अविस्मरणीय वर्ष की आशा करते हैं, क्योंकि हम अपने अतीत का सम्मान करते हैं और भारत में खेल के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार